




भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 9] नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 26, 1977 (फाल्गुन 7, 1898)
No. 9] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 26, 1977 (PHALGUNA 7, 1898)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

मंत्रिमंडल सचिवालय
(कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग)

अधीनस्थ सेवा आयोग
विज्ञप्ति

आयकर निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पादशुल्क निरीक्षक,
इत्यादि, परीक्षा, 1977

नई दिल्ली, दिनांक 26 फरवरी 1977

सं० 9/1/77-ई० (1)—अधीनस्थ सेवा आयोग नई दिल्ली द्वारा निम्नलिखित पदों में अस्थायी रिक्तियों को भरने के लिए अमरतला, अहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, कटक, दिल्ली, दिसपुर, (गौहाटी), हैदराबाद, इम्फाल जयपुर, जम्मू, मद्रास, नागपुर, पटियाला, पटना, रायपुर, रांची, शिलांग, शिमला, श्रीनगर, त्रिवेन्द्रम, उदयपुर और विनाखा-पटनम में दिनांक 25 और 26 मितम्बर, 1977 को एक सम्मिलित प्रतियोगितात्मक परीक्षा ली जाएगी :—

(i) आयकर आयुक्तों के विभिन्न अधिकार क्षेत्रों में आयकर निरीक्षक,

(ii) केन्द्रीय उत्पाद के विभिन्न समाहरणों (Collectorates) में केन्द्रीय उत्पाद निरीक्षक ।

(iii) विभिन्न सीमाकर गृहों (Custom Houses) में परीक्षक (साधारण ग्रेड) ।

(iv) विभिन्न सीमाकर गृहों (Custom Houses) में प्रतिबन्धक अधिकारी (साधारण ग्रेड) ।

(v) स्वापक (Narcotics) आयुक्त, ग्वालियर के अधीन कार्यालयों में स्वापक (Narcotics), निरीक्षक ।

(vi) नमक आयुक्त के कार्यालय, जयपुर (उद्योग मंत्रालय के अधीन) के नमक निरीक्षक ।

(vii) कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग, प्रवर्तन निदेशालय के अधीन सहायक प्रवर्तन अधिकारी ।

(viii) भारत सरकार के अन्य कार्यालयों में ऊपर की मधों (i) से (vii) में उल्लिखित पदों के समकक्ष/समानान्तर पद, जिनके लिए आयु की तथा शैक्षणिक जरूरतें वही हैं जो नीचे पैरा 2 में बताई गई हैं, और

- (ix) भारत सरकार के अधीनस्थ कार्यालयों में उच्च श्रेणी लिपिक अथवा समकक्ष/समान्तर पद जिनके लिए आयु की तथा शैक्षणिक जरूरतें वही हैं जो नीचे पैरा 2 में बताई गई हैं,।

2. पात्रता की शर्तें :

(क) आयु-सीमाएं

1 जनवरी, 1977 को उम्मीदवारों की आयु 18-25 वर्ष के बीच होनी चाहिए। अनुसूचित जातियों, आदिम जातियों, भूतपूर्व, सैनिकों और कुछ अन्य विशिष्ट श्रेणियों, जिनमें राज्य सरकारी कर्मचारियों तथा विभागीय उम्मीदवारों की कुछ श्रेणियां शामिल हैं के लिए ऊपरी आयु सीमा में छूट होगी।

(ख) योग्यताएं :

किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री अथवा समकक्ष। नमक निरीक्षक के पदों के लिए, उम्मीदवार को अपनी डिग्री की परीक्षा कैमिस्ट्री विषय के साथ पास की होनी चाहिए।

3. वेतन मान :

उक्त पैरा 1 की मदों (i) से (iv) में उल्लिखित पदों के लिए रु० 425-15-500 द० रो०-15-560-20-700-द० रो०-25-800।

उसी पैरे की मदों (v) और (vi) में उल्लिखित पदों के लिए रु० 425-15-500-द० रो०-15-560-20-700।

(मद) (vii) में उल्लिखित पदों के लिए रु० 425-15-530-द० रो०-15-560-20-600 और मद (ix) में उल्लिखित उच्च श्रेणी लिपिक के पदों के लिए रु० 330-10-380-द० रो०-12-500-द० रो०-15-560।

4. परीक्षा-योजना :

परीक्षा दो भागों में ली जाएगी, अर्थात् लिखित परीक्षा और व्यक्तिगत परीक्षण। लिखित परीक्षा में सामान्य अध्ययन, अंग्रेजी, भाषा तथा अंक गणित के विषय होंगे।

5. प्रादेशिक भाषा का ज्ञान :

जिस क्षेत्र/ठांके/प्रदेश, इत्यादि, में उम्मीदवार नियुक्त होना चाहता है, उस से सम्बद्ध क्षेत्र की प्रादेशिक भाषा का कार्य साधक ज्ञान वांछनीय होगा।

6. शुल्क :

रु० 28/- (अनुसूचित जातियों/आदिम जातियों के लिए रु० 7/-) भूतपूर्व सैनिकों के लिए कोई शुल्क नहीं।

7. "उम्मीदवारों के लिए सूचना" जिसमें परीक्षा-सम्बन्धी पूर्ण ब्यौरे दिए गए हैं तथा आवेदन-प्रपत्र सचिव, अधीनस्थ सेवा आयोग, पश्चिम खंड सं० 1, पोस्टबैग नं० 2, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 से, एक रुपय (यदि आवेदन-प्रपत्र रिकार्डिड डिलिवरी सिस्टम द्वारा मंगाना चाहते हों तो दो रुपय) के रेखित

भारतीय पोस्टल आर्डर, जो अधीनस्थ सेवा आयोग को नई दिल्ली डाक घर, नई दिल्ली पर देय हों, 26 फरवरी, 1977 से 18 अप्रैल, 1977 तक भेज कर प्राप्त किये जा सकते हैं। साथ में स्पष्ट अक्षरों में नाम तथा डाक पते की तीन पंक्तियां भी भेजी जाएं। आवेदन प्रपत्र आयोग के कार्यालय में एक रुपये का नकद भुगतान करके भी 26 फरवरी, 1977 से 25 अप्रैल, 1977 तक प्राप्त किए जा सकते हैं।

यद्यपि, आवेदन पत्रों को प्राप्त करने का मुख्य स्थान अधीनस्थ सेवा आयोग नई दिल्ली है, यह आवेदन-पत्र निम्नलिखित स्थानों पर आयकर आयुक्त के कार्यालयों से भी 5 मार्च, 1977 से 18 अप्रैल, 1977 तक एक रुपया नकद भुगतान करके प्राप्त किये जा सकते हैं :—

आगरा, अहमदाबाद, इलाहाबाद, अमृतसर, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, बम्बई, कलकत्ता, दिल्ली, अरनाकुलम, हैदराबाद, जयपुर, जोधपुर, जालंधर, कानपुर, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पटियाला, पटना पूणे तथा शिलांग।

यदि किसी समय पर इन में से किसी कार्यालय में आवेदन पत्र समाप्त हो जाते हैं तो उम्मीदवार उन्हें सीधे आयोग से प्राप्त कर सकता है।

ये प्रपत्र 25 अप्रैल, 1977 तक नकद भुगतान कर के निम्न-लिखित से भी प्राप्त किए जा सकते हैं :—

(1) किताब महल, स्टेट ऐम्पोरिया बिल्डिंग, बाबा खड़ग सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001।

(2) प्रकाशन नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, निर्माण तथा आवास मंत्रालय, ओल्ड सैक्रेटेरियट के पीछे, सिविल लाईन्स, दिल्ली।

8. आवेदन-पत्र आयोग में 25 अप्रैल, 1977 (अडेमान तथा निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के लिए 9 मई, 1977) तक अथवा पहुंच जाने चाहिए। उस तारीख के बाद मिलने वाले आवेदन-पत्रों पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

मदन लाल,

सचिव,

अधीनस्थ सेवा आयोग।

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी

मसूरी, दिनांक 17 जनवरी 1977

सं० 7/2/73-स्था०—श्री टी० आर० सूरि, स्थानापन्न लेखा अधिकारी, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी मसूरी को लेखा अधिकारी के पद पर दिनांक 17 अगस्त, 1976 से स्थाई किया जाता है।

एस० एन० सेठ,
सहायक निदेशक

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 3 फरवरी 1977

सं० 0-II-915/73-स्थापना—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी नन्द किशोर माथुर 31 बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल का त्याग पत्र दिनांक 18 दिसम्बर, 1976 अपराह्न से स्वीकृत कर लिया।

सं० एफ० 5/8/74-स्थापना (भाग-II)—राष्ट्रपति ले० क० आर० एल० सरकार (अवकाश प्राप्त) को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कमांडेंट के पद पर 12 जनवरी, 1977 से नियुक्त करते हैं।

सं० 0-II-1042/76-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल ने डाक्टर निभारण मोहन्ती को 13 जनवरी, 1977 के पूर्वाह्न केवल 3 माह के लिये, अथवा उस पद पर नियमति होने तक, इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

सं० 0-II-1052/77-स्थापना—राष्ट्रपति डाक्टर रातनजय गुप्ता को अस्थायी रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में जी० जी० ओ० ग्रेड I (सहायक कमांडेंट) के पद पर उनको 17 जनवरी, 1977 पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 5 फरवरी 1977

सं० 0-II-1050/77-स्थापना—राष्ट्रपति निम्नलिखित डाक्टरों को अस्थायी रूप में अगले आदेश जारी होने तक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारियों (डी० एस० पी०/कम्पनी कमांडर) के पद पर उनके सामने लिखी बटालियन/ग्रुप सेंटर और कार्यभार संभालने की तिथियों से नियुक्त करते हैं :—

क्र० नं०	अधिकारी का नाम	बटालियन/ग्रुप सेंटर जिसमें तैनात किया	कार्यभार संभालने की तिथि
1	2	3	4
1.	डाक्टर पी० आर० सुशामनियन	12 बटालियन	14-12-76 पूर्वाह्न
2.	डाक्टर (श्रीमती) शारदा सरोही	ग्रुप सेंटर गुहाटी	24-12-76 पूर्वाह्न

ए० के० बन्धोपाध्याय,
सहायक निदेशक, (प्रशा०)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियंत्रक

नई दिल्ली-22, दिनांक 2 फरवरी 1977

सं० 68018(2)/71-प्रशा०-II:—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के एक अधिकारी श्री पी० आर० शिव सुब्रह्मण्यन [वित्त मंत्रालय (रक्षा प्रभाग) में वित्तीय उप सलाहकार के रूप में प्रतिनियुक्ति पर] को उसी सेवा के कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (र० 1500-60-1800-100-2000) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए 5 जनवरी, 1977 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेश पर्यन्त "अनुक्रम नियम के अधीन" सहर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांक 3 फरवरी 1977

सं० 18058/प्रशा०-II:—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर भारतीय रक्षा लेखा सेवा के एक अधिकारी श्री पी० सी० खन्ना को पेंशन स्थापना को अन्तर्हित कर दिया गया और उनका नाम 31 दिसम्बर, 1976 (अपराह्न) से, विभाग की नफरी से निकाल दिया गया।

पी० के० रामानुजम,
रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक, (प्रशा०)

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य-नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, दिनांक 7 जनवरी 1977

स्थापना

सं० 6/1024/74(जी०)-प्रशासन (राज०)-989—सेवा निवृत्ति की आयु होने पर, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी वर्ग में स्थानापन्न अधिकारी, श्री जगन नाथ ने 31 दिसम्बर, 1976 के दोपहर बाद से इस कार्यालय में नियंत्रक, आयात-निर्यात के पद का कार्य भार छोड़ दिया।

दिनांक 8 फरवरी 1977

सं० 6/113/54-प्रशासन (राज०) 1056—सेवा निवृत्ति की आयु होने पर, श्री के० जी० नारायण सिंघानी, स्थानापन्न संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात ने इस कार्यालय में 31 जनवरी, 1977 के दोपहर बाद से उस पद का कार्यभार छोड़ दिया।

ए० एस० गिल,
मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 3 फरवरी 1977

सं० सी० ई० आर०/10/77—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948 के खंड 20 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते

हुए मैं एतद् द्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० 9(9)/टी० ई० एक्स०-एक/49 दिनांक 15 अप्रैल, 1950 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूँ, अर्थातः—

उक्त अधिसूचना में—

निदेश 11 के बाद निम्नलिखित निदेश जोड़ दिया जाएगा, अर्थातः—

12. (1) कोई भी उत्पादक सूती क्रेप वस्त्र उत्पादन नहीं करेगा।

स्पष्टीकरण:—इस निदेश के निमित्त 'सूती क्रेप वस्त्र' से तात्पर्य कोई भी सादी बुनाई (प्लेन वीव) के ऐसे वस्त्र से है जो बहुत अधिक बटे इकहरे सूत से निर्मित हों चाहे वह साधारण बटे (नार्मल ट्विस्ट) सूत के साथ हों या नहीं लेकिन जिसका काउन्ट वस्त्र के मुख्य भूतों से अधिक मोटा (कोर्स) होने के कारण डोरी सा प्रभाव (कार्ड्ड इफेक्ट) उत्पन्न होता हो और जिससे वस्त्र संस्कार अथवा परिष्करण के पश्चात् बलवित या क्रिकिल्ड लगता हो।

(2) यह अधिसूचना 1 मार्च, 1977 से प्रभावी होगी और 31 मार्च, 1979 तक प्रभावशील रहेगी।

गौरी शंकर भार्गव,
संयुक्त वस्त्र आयुक्त

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय
(प्रशासन शाखा-6)

नई दिल्ली, दिनांक 7 फरवरी 1977

सं० ए०-17011/111-प्र०-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने उत्तरी निरीक्षण मंडल में स्थायी भंडार परीक्षक (इन्जी०) श्री एम० पी० गुप्ता को दिनांक 14 जनवरी, 1977 के पूर्वार्द्ध से आगामी आदेशों के जारी होने तक इस महानिदेशालय के अधीन कलकत्ता निरीक्षणालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इन्जी०) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

सूर्य प्रकाश,
उप निदेशक (प्रशासन),
इसे महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय
(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 2 फरवरी 1977

सं० 2222(एसकेजी)/19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूविज्ञान) श्री सुबीर कुमार घोष को उसी विभाग में, सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में वेतन

नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में आगामी आदेश होने तक, 15 दिसम्बर, 1976 के पूर्वार्द्ध से नियुक्त किया जा रहा है।

दिनांक 3 फरवरी 1977

सं० 3(5)/71(जेपी)/19-बी०—श्री जगदीश प्रसाद, एम० एस० सी०, को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भूभौतिकीविद (उपकरण) के रूप में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 3 दिसम्बर, 1976 के पूर्वार्द्ध से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 3(5)/71(एअरके)/19-बी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक भूभौतिकीविद श्री अशोक रंजन कुमार, एम० टेक० को उसी विभाग में सहायक भूभौतिकीविद (उपकरण) के रूप में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 1 दिसम्बर, 1976 के पूर्वार्द्ध से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 30/75/19-सी०—श्री वी० के० आनन्द, भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) को सहायक भूवैज्ञानिक की श्रेणी में (समूह "बी" वेतनमान 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० परिशोधित) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 5 मार्च, 1971 से स्थायीवत् घोषित किया जा रहा है।

वी० के० एस० वरदान,
महानिदेशक,
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 3 फरवरी 1977

सं० ए०-19011/(178)/75-सि० ए०—राष्ट्रपति, श्री बी० वी० राव को 20 जनवरी, 1977 के पूर्वार्द्ध से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में सहायक खान नियंत्रक के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

एल० सी० रणधीर,
कार्यालय अध्यक्ष

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 2 फरवरी 1977

सं० गो०-5183/718—श्री एन० आर० बोस, स्थानापन्न कार्यालय अधीक्षक (वेतनमान 700-900) को पूर्वी सर्किल

कार्यालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, कलकत्ता में 840 रु० प्रति माह वेतन पर 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतन मान में 3 जनवरी, 1977 (पूर्वाह्न) से स्थापना एवं लेखा अधिकारी, (सा० के० से० ग्रुप "बी" पद) के पद पर स्थानापन्न रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है।

के० एल० खोसला,
मेजर जनरल,
भारत के महासर्वेक्षक।

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 3 फरवरी 1977

सं० 28-8/75-प्र०-I--राष्ट्रपति ने श्री एन० नागनाथन, कनिष्ठ जीव वैज्ञानिक, राष्ट्रीय क्षयरोग संस्थान, बंगलौर, को 7 जनवरी, 1977 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी संस्थान में जीव वैज्ञानिक के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 12023/15/76 (एच० क्यू०) प्रशासन-I--स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक निम्नलिखित व्यक्तियों को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में सहायक वास्तुकार के पदों पर उनके नामों के सामने दिखाई गई तारीखों से आगामी आदेशों तक तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं :--

1. श्री जे० के० मिक्का, 31 दिसम्बर, 1976 (पूर्वाह्न)।
2. श्री वी० एच० ब्राह्मजा 10 जनवरी, 1977 (पूर्वाह्न)।
3. श्री सत्यपाल, 17 जनवरी, 1977 (पूर्वाह्न)।

दिनांक 8 फरवरी 1977

सं० ए० 31014/16/76 (ए० आई० आई० एच० पी० एच०)-प्र०-I--स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री ए० के० अग्रथा को 5 अक्टूबर, 1972 के पूर्वाह्न से अखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान एवं जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता में स्थायी आधार पर सहायक इंजीनियर (ज० स्वा०) के स्थायी पद पर नियुक्त किया है।

शाम लाल कुठियाला,
उपनिदेशक प्रशासन (सं० एवं प०)।

केन्द्रीय मत्स्य शिक्षा संस्थान

बम्बई-400 058, दिनांक 2 फरवरी 1977

सं० 1-12/76--निदेशक, केन्द्रीय मत्स्य शिक्षा संस्थान, बम्बई, श्री के० विजय कुमारन, को 30 जून, 1973 से निदर्शक (मीन परिसंस्करण) के स्थायी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

डा० एस० एन० द्विवेदी,
निदेशक।

कृषि और मिचाई मंत्रालय

(ग्राम विकास विभाग)

विपणन और निरीक्षण निदेशालय

नागपुर, दिनांक

1977

सं० फा० 5/11/69-वि०-II--वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) अधिसूचना सं० 448 दिनांक 14 मार्च, 1964 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए मैं एतद् द्वारा सर्वश्री पी० जे० चिमलवार और एम० चक्रवर्ती, सहायक विपणन अधिकारियों को इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख से खाने के आलू, जिसका श्रेणीकरण खाने के आलू श्रेणीकरण और चिह्न नियम, 1964 के अनुसार किया जा चुका है तथा जिसका निर्यात उपरोक्त अधिसूचना के उपबन्धों के अधीन है, के सम्बन्ध में श्रेणीकरण प्रमाण पत्र जारी करने के लिए प्राधिकृत करता हूँ।

सं० फा० 74/15/72-विकास--भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) सीमा शुल्क अधिसूचना सं० (i) 3184 दिनांक 28 दिसम्बर, 1955 (ii) 83 दिनांक 29 जुलाई, 1961 (iii) 3752 दिनांक 26 दिसम्बर, 1955 और (iv) 157 दिनांक 22 जून, 1963 और सी० एस० आर० 904 दिनांक 27 जून, 1964, द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए मैं, जे० एम० उप्पल, कृषि विपणन सलाहकार, भारत सरकार, एतद् द्वारा सर्वश्री ए० सी० ग्वीन और जी० एच० धनकर, सहायक विपणन अधिकारी, ऊन दृढ़ लोम और अजालोम श्रेणीकरण योजना, कानपुर को इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख से चन्दन तेल, जिसका श्रेणीकरण समय समय पर संशोधित सुगन्धित तेल श्रेणीकरण और चिह्न नियम, 1954 के उपबन्धों के अनुसार किया जा चुका है तथा जिसका निर्यात उपरोक्त अधिसूचनाओं के उपबन्धों के अधीन है, के सम्बन्ध में श्रेणीकरण प्रमाण पत्र जारी करने के लिए प्राधिकृत करता हूँ।

जे० एस० उप्पल,
कृषि विपणन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग

मुम्बई-5, दिनांक 17 जनवरी 1977

सं० पी० पी० ई० डी०/3(236)/76-प्रशा०/613--विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, बम्बई के निदेशक, इस विभाग, के अस्थायी नक्शानवीस 'सी' श्री जे० एस० मोखा को 1 अगस्त, 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक इस प्रभाग में अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर-ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

एन० जी० पेस्लेकर,
प्रशासन-अधिकारी।

भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400008, दिनांक 2 फरवरी, 1977

सं० भापापएं/स्था०/1/ब-39/487—भारी पानी परियोजनाओं के, विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री यशवन्त पुरुषोत्तम चारपूरे, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा भारी पानी परियोजनाओं (मुख्य कार्यालय) के स्थानापन्न प्रवरण श्रेणी लिपिक को, उसी कार्यालय, में श्री आर० एन० रामचंदानी सहायक कार्मिक अधिकारी, जो छुट्टी पर गए हैं, के स्थान पर दिसम्बर 6, 1976 (पूर्वाह्न) से जनवरी 21, 1977 (अपराह्न) तक के लिए सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

टी० सी० सत्यकीर्ति,
वरिष्ठ, प्रशासन अधिकारी

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 7 फरवरी 1977

सं० ई० (1) 04383—वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री पी० सी० मुकुर्जी को 17 जनवरी 1977 के पूर्वाह्न से 31 मार्च, 1977 तक 74 दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री मुकुर्जी, स्थापन्न सहायक मौसम विज्ञानी निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र कलकत्ता के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

एम० आर० एन० मणियन,
मौसम विज्ञानी,
कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 5 जनवरी 1977

सं० ए-32013/9/76-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित तकनीकी अधिकारियों को उनके नामों के सामने दी गई तारीख से 31 दिसम्बर, 1976 तक या नियमित नियुक्तियां होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है और प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है :—

क्र० सं०	नाम	वर्तमान तैनाती स्टेशन	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख	तैनाती स्टेशन
1	2	3	4	5
1.	श्री जे० बी० शर्मा	वै० सं० स्टेशन, बेल-गाम	24-12-76 (पूर्वाह्न)	श्रेणीय कार्यालय बम्बई।

1	2	3	4	5
2.	श्री बी० के० चौधरी	वै० सं० स्टेशन कलकत्ता	26-12-76 (पूर्वाह्न)	वै० सं० स्टेशन बम्बई।
3.	श्री बी० एन० एम० राव	वै० सं० स्टेशन मद्रास	29-12-76 (पूर्वाह्न)	वै० सं० स्टेशन हैदराबाद।

सुरजीत लाल खन्डपुर,
सहायक निदेशक प्रशासन।

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 5 फरवरी 1977

सं० 1/315/77-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा वि० सं० से० की बम्बई शाखा के तकनीकी सहायक श्री एम० बी० राव को अल्पकालीन खाली जगह पर 1-12-76 से 31-12-76 (दोनों दिन मिलाकर) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

एम० एस० कृष्णस्वामी,
प्रशासन अधिकारी,
कृते महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क समारोहलय

इलाहाबाद, दिनांक 24 जनवरी 1977

सं० 1/1977—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय, वाराणसी में तैनात और इस कार्यालय के पृष्ठांकन संख्या दो (3) 126-स्थापना/76/46432, दिनांक 3-12-76 के अन्तर्गत जारी किए गए स्थापना आदेश सं० 301/1976 दिनांक 3-12-1976 के अनुसार अगला आदेश होने तक रु० 650-30-740-35-810-व० रो०-35-880-40-1000-व० रो०-40-1200 के वेतनमान में स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क वर्ग 'ख' के रूप में नियुक्त स्थायी अधीक्षक (चयन ग्रेड) श्री आर० पी० श्रीवास्तव ने 28-12-1976 को (दोपहर से पहले) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, मुख्यालय, इलाहाबाद में अधीक्षक वर्ग 'ख' के कार्यालय का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 2/1977—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय, सीतापुर में तैनात और इस कार्यालय के पृष्ठांकन प० सं० 11 (3) 56 स्था०/76/46905, दिनांक 7-12-76 के अन्तर्गत जारी किए गए स्थापना आदेश सं० 313/1976 दिनांक 7-12-1976 के अनुसार अगला आदेश होने तक रु० 650-30-740-35-810-व० रो०-35-880-40-1000-व० रो०-40-1200 के वेतनमान में स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क वर्ग 'ख' के रूप में नियुक्त स्थायी अधीक्षक (चयन ग्रेड)

श्री आर० सी० वर्मा ने दिनांक 15-12-1976 को (दोपहर से पहले) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, मुख्यालय, इलाहाबाद में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क वर्ग 'ख' के कार्यालय का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 3/1977—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय, इलाहाबाद में अधीक्षक (निरीक्षण ग्रुप) के रूप में तैनात श्री हरनाथ सिंह, स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क वर्ग 'ख' दिनांक 30-11-1976 को दोपहर बाद से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

हरिहर नाथ रैना, समाहर्ता

कानपुर, दिनांक 2 फरवरी 1977

सं० 20/77—श्री ज्ञान स्वरूप जौहरी निरीक्षक (प्रवरण कोटि) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क ने, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क वर्ग 'ख' वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200, के पद पर अपनी पदोन्नति के फलस्वरूप—देखिए इस कार्यालय के पृष्ठानक प० सं० 11-184-इटी/76-49186 दिनांक 4-11-76 के अन्तर्गत निर्गत कार्यालय स्थापना आदेश सं० 1/ए०/319/76 दिनांक 4-11-76 अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क सहारनपुर के पद का कार्यभार दिनांक 17-1-77 (पूर्वाह्न) ग्रहण किया।

ह० अपठनीय
समाहर्ता

मदुरै, दिनांक 3 फरवरी 1977

सं० 1/77—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय मदुरै के निम्नलिखित अधिकारियों को अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से अधीक्षक (ग्रुप बी०) के पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 वेतनमान में नियुक्त किये गये हैं। स्थान और कार्यभार संभालने की तारीख निम्न प्रकार हैं।

अधिकारी का नाम	नियुक्त स्थान	कार्यभार तारीख
सर्वश्री		
(1) डी० एस० एच० पोन्नुराज	अधीक्षक तिरुत्तुरैपूण्डी (एस० जी०) नागपटनम (डीन)	11-1-77
(2) जी० राजाराम	अधीक्षक तिरुच्चिरापल्लि तिरुच्चिरापल्लि (डीन०)	17-1-77
(3) ए० पुप्पराज	अधीक्षक सीमा शुल्क डिबिजन, मदुरै	10-1-77
(4) के० वी० गणेशन	अधीक्षक, मुख्य कार्यालय मदुरै	10-1-77

सं० 2/77—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय, मदुरै के कार्यालय अधीक्षक श्री ए० वी० सोममुन्दरम को अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से प्रशासनिक अधिकारी के पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में तिरुच्चिरापल्लि डिबिजन में तारीख 22-1-77 से नियुक्त किया गया है।

एम० एस० सुब्रह्मणियम
समाहर्ता

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 18 जनवरी 1977

सं० 19012/580/76-प्रशा० 5—संघ लोक सेवा आयोग द्वारा चयन के परिणाम-स्वरूप, अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद्वारा श्री सोमा पाण्डू खंडारे को केन्द्रीय जल तथा विद्युत अनुसंधानशाला, पुणे (दूर संचार, अभियांत्रिकी) के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में नियुक्त करते हैं जो 7 जनवरी, 1977 के पूर्वानुमान से प्रभावी होगा।

श्री सोमा पाण्डू खंडारे उसी दिन अर्थात् 7-1-77 से दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर रहेंगे।

जसवंत सिंह, अव्वर सचिव
कृते अध्यक्ष
केन्द्रीय जल आयोग

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

महाप्रबंधक का कार्यालय

(कार्मिक शाखा)

पाण्डू, दिनांक 3 फरवरी 1977

सं० ई०/55/III/93 भाग II (ओ०)—निम्नलिखित अधिकारियों को द्वितीय श्रेणी सेवा में सहायक यांत्रिक इंजीनियर के रूप में उनके नाम के सामने लिखे दिनांक से स्थायी किया जाता है :—

क्रम सं०	नाम	जिस दिनांक से स्थायी किया गया
1.	श्री डी० सरकार	1-3-74
2.	श्री एस० आर० सेनगुप्त	1-7-75

जी० एच० केसवानी
महाप्रबंधक

पुनर्निर्माण और पुनर्वासि मंत्रालय

(पुनर्वासि विभाग)

मुख्य यांत्रिक अभियंता का कार्यालय

पुनर्वासि भूमि उद्धार संगठन

जेपुर-764003, दिनांक 1 फरवरी 77

सं० पी० 2/97-3618 (पी०)—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० पी० 2/97 दिनांक 30-11-76 के क्रम में श्री राजा राम बलैया की सहायक प्रशासन अधिकारी (वर्ग-बी०-राजपत्रित) के पद पर 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 रुपये के वेतनमान में पुनर्वासि भूमि उद्धार संगठन, शाहपुरा, जिला-बेतूल (मध्य प्रदेश) में तदर्थ रूप में हुई नियुक्ति को दिनांक 1-2-77 से 30-4-77 तक की 3 महीने की और अवधि के लिये, या नियमित आधार पर पद के भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, पुनः बढ़ाया जाता है।

ब्र० प्र० सक्सेना

प्रशासन अधिकारी

बास्ते मुख्य यांत्रिक अभियंता

विधि न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स डोर्स एण्ड विन्डोज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 2 फरवरी 1977

सं०/560/1053—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स डोर्स एण्ड विन्डोज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

जे० गो० गाथा

कम्पनियों का रजिस्ट्रार

गुजरात

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री मुत्तुलक्ष्मी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 1 फरवरी 1977

सं० 5017/560 (3) /76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर श्री मुत्तुलक्ष्मी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री राम स्क्रुस एण्ड मेटल इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 1 फरवरी 1977

सं० 3654/560 (5) /76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि श्री राम स्क्रुस एण्ड मेटल इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

के० पञ्चापकेशन

कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

तमिलनाडु

कार्यालय आयकर आयुक्त

नई दिल्ली, दिनांक 1 फरवरी 77

(आयकर)

एफ सं० जूरि०-दिल्ली/3/76-77/15684—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43 वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-4, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि दिनांक 1-2-77 से निम्नलिखित आयकर डिस्ट्रिक्ट/सर्किल समाप्त हो जाएंगे।

1. स्पेशल सर्किल-9, नई दिल्ली।

एफ सं० जूरि०-दिल्ली/3/76-77/ 15584—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आयकर आयुक्त, दिल्ली-4, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि दिनांक 1-2-77 से निम्नलिखित आयकर डिस्ट्रिक्ट/सर्किल समाप्त हो जाएंगे।

1. स्पेशल सर्किल-5, नई दिल्ली।

एन० एस० राधवन,

आयकर आयुक्त

दिल्ली-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 फरवरी 1977

आयकर

सं० जूरि०/दिल्ली/2/76-77—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस विषय पर दिनांक 17-1-77 के आदेश संख्या जूरि०/दिल्ली/2/76-77/43305 में आंशिक संशोधन करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-2, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम 2 में निर्दिष्ट आयकर अधिकारी, उक्त अनुसूची के कालम-3 में उल्लिखित व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों, आय या आय के वर्गों तथा मामलों या मामलों के वर्गों के बारे में अपने सभी कार्य करेंगे। किन्तु इसमें

उक्त अधिनियम की धारा 127 के अन्तर्गत किसी अन्य आयकर अधिकारी को सौंपे गए या इसके बाद सौंपे जाने वाले व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग, आय या मामलों के वर्ग शामिल नहीं होंगे।

अनुसूची

क्रम सं०	आयकर अधिकारी का पदनाम	अधिकार-क्षेत्र
1	2	3
1.	आयकर अधिकारी, डि०-6 (क) नई दिल्ली	आयकर अधिकारी डि०-6 (6), नई दिल्ली के अधिकार क्षेत्र से इतर अधिकार क्षेत्र में आने वाले सभी व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग आय या आय के वर्ग, मामले या मामलों के वर्ग जिनके नाम अंग्रेजी की वर्णमाला के अक्षर 'ए' से 'आर' (दोनों को मिलाकर) तक किसी भी अक्षर से आरंभ होते हों।
	(ख)	उपरोक्त मव (क) के अन्तर्गत आने वाली फर्मों के सभी साझेदार व्यक्ति।

1	2	3
2.	आयकर अधिकारी, डि० 6 (1) अतिरिक्त, नई दिल्ली	(क) आयकर अधिकारी, डि० 6 (1) व डि० 6 (6) नई दिल्ली के अधिकार क्षेत्र से इतर अधिकार क्षेत्र में आने वाले सभी व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग आय या आय के वर्ग मामले या मामलों के वर्ग जिनके नाम अंग्रेजी की वर्णमाला के अक्षर 'एस' से 'जेड' तक (दोनों को मिलाकर) किसी भी अक्षर से आरंभ होते हों।
		(ख) उपरोक्त मद (क) के अन्तर्गत आने वाली फर्मों के सभी भागीदार व्यक्ति।

यह अधिसूचना 1-2-77 से लागू होगी।

जगदीश चन्द
आयकर आयुक्त, दिल्ली-2, नई दिल्ली

आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय अर्जन रेंज 2

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 77

निदेश सं० अ० ई०-2/2320-1/जून-76 —अतः, मुझे,
एम० जे० माथन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट न० 66 मेन प्लॉट का न० 9/2 सीटी सर्वे न० 70 सी० टी० न० एस० नं० 673 है, तथा जो जे० व्ही० पी० डी० स्कीम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-6-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री किशन चन्द फट्टमल धनजानी 2. मुरली घर किशन-चन्द धनजानी और किशन चन्द धनजानी

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेन्द्र कुमार एच० वैशा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी द्वावितियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पट्टेदारी की जमीन या मैदान का वह तमाम टुकड़ा भाग, जो जुहू-विलेपार्ले विकास योजना (डिबलपमेंट स्कीम), (इरला-नाले के दक्षिण में) बंबई महानगर के बंबई नगर व उपनगर के उप-जिला व जिले में और बांद्रा रजिस्ट्री उप-जिले में मौजूद पड़ा हुआ है, और सर्वे न० 70 का भाग है तथा जिसका सी० टी० एस० नं० 673 जूहू गांव है, तथा माप से 800' 00 वर्गगज यानी 668.88 वर्ग मीटर के बराबर या उसके आसपास है और जिसका सब प्लॉट नं० 66, नूतन सहकारी आवास समिति (नूतन कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०) की इस्टेट का है और इस प्रकार घिरा हुआ है कि पूर्व की ओर चालीस फीट की सड़क, पश्चिम की ओर प्लॉट नं० 54, उत्तर की ओर प्लॉट नं० 67 और दक्षिण की ओर प्लॉट नं० 65 है।

एम० जे० माथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई-2

तारीख : 7 फरवरी, 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 जनवरी 1977

निदेश न० अमृतसर/ 121/76-77 :—यतः, मुझे, बी०-
आर० सागर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० 1/3 हिस्सा कोठी न० 59 है तथा जो हुकमसिंह रोड़, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती अमरजीत कौर पत्नी श्री अजीत सिंह निवासी
हुकमसिंह रोड़, अमृतसर
(अन्तरक)

(2) श्री जोगिन्दर सिंह पुत्र श्री लछमन सिंह निवासी
59 हुकम सिंह रोड़, अमृतसर
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जिसके जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी न० 59 का 1/3 हिस्सा हुकम सिंह रोड़, अमृतसर
जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 654 सितम्बर, 1976 रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में लिखा है।

बी० आर० सागर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 27 जनवरी, 1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 फरवरी 1977

निदेश सं० भटिंडा /125/76-77:—यतः, मुझे, बी० आर०-सागर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० हिस्सा जो गुनियाना रोड, भटिंडा (स्टेट बस स्टेशन के पास) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री प्रेम चन्द पुत्र श्री तिलक राम द्वारा मैसर्स अग्रवाल टैक्सटाइल, गान्धी मार्केट भटिंडा (अन्तरक)

(2) श्री हरबचन लाल पुत्र श्री जगननाथ द्वारा मैसर्स बरनाला, इंजीनियरिंग स्टोर, भटिंडा। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में हचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गुनियाना रोड, भटिंडा पर स्थित दुकान योग्य भू-खण्ड का हिस्सा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 1891 जुलाई, 1976 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिंडा में लिखा है।

बी० आर० सागर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 7 फरवरी 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 फरवरी 1977

निदेश नं० भटिंडा/124/76-77 :—यतः, मुझे, बी० आर०-सागर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०हिस्ता है, तथा जो गुनियाना रोड भटिंडा (स्टेट बस स्टैंड के पास) में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ज्ञानचन्द पुत्र श्री तिलक राम द्वारा मैसर्स अग्रवाल टैक्मटाइल, गान्धी मार्केट भटिंडा

(अन्तरक)

(2) श्री हरबन्स लाल पुत्र श्री जगन्नाथ द्वारा मैसर्स बरनाला इंजीनियरिंग स्टोर, भटिंडा

(अन्तरिती)

(3) जैमा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि किगयेदार हों (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हों (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गुनियाना रोड, भटिंडा पर स्थित दुकान योग्य भू-खण्ड का हिस्सा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 1890 जुलाई, 1976 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिंडा, में लिखा है।

बी० आर० सागर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 7 फरवरी, 1977
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 फरवरी, 1977

निदेश नं० फगवाड़ा/ 122/76-77:—यतः, मुझे, बी० आर० सागर,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 2 कैनाल जमीन है तथा जो जी० टी० रोड फगवाड़ा गन्बी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, अधिनियम, 1908 (1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसूचन में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मोहन सिंह पुत्र श्री हरदत्त सिंह गोरापा द्वारा मैसर्स हरदत्ता सन्स इंजीनियरिंग कारपोरेशन जी० टी० रोड, गोरापा

(अन्तरक)

(2) श्री ओम प्रकाश पुत्र श्री मोहन लाल उप्पल, फगवाड़ा, द्वारा मैसर्स भारती इंजीनियरिंग कारपोरेशन 32, इण्डस्ट्रियल एरिया, फगवाड़ा

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जी० टी० रोड फगवाड़ा पर स्थित 2 कैनाल भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 1290 दिनांक 4-6-76 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

बी० आर० सागर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 7-2-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 फरवरी 1977

निदेश नं० फगवाड़ा/ 123/76-77 :—यतः, मुझे, बी० आर०
सागर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 2 कैनाल जमीन है तथा जो जी० टी० रोड
फगवाड़ा में स्थित गरबा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जून, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उप-
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री हरभजन सिंह, श्री मज्जन सिंह, श्रीमती पूरन
कौर विधवा, श्रीमती कुलवन्त कौर श्रीमती मोहनंदर
कौर तथा श्रीमती जगदीश कौर पुत्रीगण श्री कृपाल
सिंह गोराया द्वारा मैसर्स मोहना सिंह हरभजन सिंह
जी० टी० रोड, गोराया

(अन्तरक)

(2) श्री ओम प्रकाश पुत्र श्री मोहन लाल उप्पल, फगवाड़ा
द्वारा मैसर्स भारती इंजीनियरिंग कारपोरेशन 32,
इण्डस्ट्रियल एरिया, फगवाड़ा

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई
किरायेदार हों (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हों (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यवितियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

जी० टी० रोड, फगवाड़ा पर स्थित 2 कैनाल भूमि जैसा कि
रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 289 जून, 1976 में रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

बी० आर० सागर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 7 फरवरी, 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 5 फरवरी 1977

निदेश नं० 76-बी०/ए० सी० :—अतः, मुझे, अमर सिंह
बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 45.95 एकड़ का प्लॉट सहित फैक्टरी
बिल्डिंग एवं रेलवे साइडिंग है तथा जो ग्राम बिशुनीपुर परगना
बलरामपुर एवं इंटियाथोक जिला गोंडा परसा एवं सोनबरसा
जिला गोंडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गोंडा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 23-7-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दार्ढ्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) दिवलरामपुर शहर कम्पनी लि०

(अन्तरक)

(2) बलरामपुर चीनी मिल लि०

(अन्तरिती)

(3) बलरामपुर चीनी मिल लि० (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है),

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक भूमि माप 45.95 एकड़ सहित फैक्टरी बिल्डिंग गोदाम,
बंगला, क्वार्टर्स, कैन्टीन, स्कूल, क्लब, स्टोर्स, रुम, साथ ही रेलवे
साइडिंग जो ग्राम बिशुनीपुर परगना बलरामपुर एवं इंटिया-
थोक जिला गोंडा एवं परसा सोनबरसा जिला गोंडा में स्थित
है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 5 फरवरी 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री जनक चोपड़ा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) डा० वीजेन्द्र नाथ वाघे

(अन्तरिती)

(3) श्री जनक चोपड़ा (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

भारत सरकार

कायालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 7 फरवरी 1977

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप यदि कोई हो तो

निर्देश नं० 31-5/एक्यु० :—अतः मुझे, अमर सिंह, बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

और जिसकी सं० एक मंजिला मकान एवं जमीन है तथा जो मोहल्ला सिविल लाइन्स जिला फैजाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फैजाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-6-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

अनुसूची

एक मंजिला मकान मय जमीन जो मोहल्ला सिविल लाइन्स जिला फैजाबाद में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 7-2-77
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 7 फरवरी 1977

निर्देश सं० 141-एस०/ए० सी क्यू०—यतः, मुझे, अमर सिंह बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी

और जिसकी सं० एक मकान है तथा जो तहसील काशीपुर में स्थित है, (और इससे उपाव अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्तित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नैनीताल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-6-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात् :—

1. श्री रमेश चन्द्र (अन्तरक)
2. श्री श्याम लाल एवं अन्य (अन्तरिती)
3. श्री रमेश चन्द्र (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नाप 3276 वर्ग गज जो तहसील काशीपुर जिला नैनीताल में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 7-2-1977
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 7 फरवरी 1977

निर्देश सं० 142-एस०/ए० सी ब्यू०—यतः, मुझे, अमर
सिंह बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० एक मंजिला मकान, हवेली अवध है तथा जो
मो० सिविल लाइन्स जिला फैजाबाद में स्थित है (और इससे
उपाब्ध अनुसूचे में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, फैजाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-6-1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ब के अनुसरण में;
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जनक चोपड़ा (अन्तरक)
2. श्रीमती सुधा चोपड़ा (अन्तरिती)
3. श्रीमती जनक चोपड़ा (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि भाव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान "हवेली अवध" नाप 2036 वर्ग फुट
सिविल लाइन्स जिला फैजाबाद में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 6-2-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 फरवरी 1977

निर्देश सं० 143-एस०/ए सी क्यू—यतः, मुझे, अमर सिंह बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० एक मकान मय जमीन एक मकान नं० 43,47/48 है तथा जो मोह० बंगाली बाग, जातनवार बाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-5-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री विश्व नाथ प्रसाद (अन्तरक)
2. श्री सिद्ध नाथ (अन्तरिती)
3. श्री विश्व नाथ प्रसाद (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान मय जमीन, मकान नं० 43, 47/48 जो मोहल्ला बंगाली बाग, जातनवार बाराणसी में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज लखनऊ

तारीख : 8-2-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 फरवरी 1977

निर्देश सं० उपमिश्रण/284-ए/हाथरस/76-77—यतः,
मुझे, एस० एन० गुप्ता,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है और
और जिसकी सं० अनुसूची अनुसार है तथा जो अनुसूची के
अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हाथरस में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 11-6-1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रातशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री पदम चन्द (2) राम कुमार (3) श्री कुमार
पुत्रगण श्री मन सुख लाल अग्रवाल निवासी गया साबाबाद,
हाथरस (अन्तरक)

2. श्रीमती उमरी देवी पत्नी ग्याम सुन्दर (2) श्रीमती
अनार देवी विधवा सप्त लाल (3) श्रीमती प्रेम कला पत्नी
महादेव प्रसाद (4) श्रीमती दुर्गा देवी पत्नी चुन्नी लाल अग्रवाल
निवासीगण मेंदु द्वार गोशाला रोड, हाथरस (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति गोदाम एक किता प्लाट 1700 वर्ग गज
बाकै मेंदु द्वार गोशाला मार्ग, हाथरस, 70,000 रु० मूल्य में
हस्तान्तरित की गई है।

एस० एन० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 5-21977
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 29 जनवरी 1977

निर्देश सं० सी० आर० नं० 62/6136/76-77/ए० सी० ५५०/3बी—यतः, मुझे, एम हरिहरन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 3813 है, तथा जो कनकपुर रोड, बसवनगुडि, बेंगलूर-4 में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवनगुडि में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-6-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री शक० मुलेयुडीन सन आक स्व० जनाब अबदुल कुदूस साहिब नं० 81, आई स्लाक पूर्व, अमनगर, बंगलूर-11 (अन्तरक)

2. श्री मनसूर शेख शामसुदीन कलकत्ता वाला, सुपुत्र शेख शमसुदीन साहिब,

(2) शबीर शेख शामसुदीन कलकत्ता वाला, सुपुत्र शाईक शामसुदीन पारटनरस, मह. ट्रान्समिशन बैंक सेंटर जी 87, एन० आर० रोड, बंगलूर-2 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 227/76-77 तारीख 16-6-1976]

सारा संपत्ति का नं० 3813, कनकपुर रोड, बसवनगुडि, बेंगलूर-4

बाँध : पूरब : सैयद खादर आगा साहिब,

पश्चिम : कनकपुरा रोड,

उत्तर : प्राइवेट प्रापर्टी,

दक्षिण : मास्क रोड:

निवेशक का क्षेत्र : पूर्व से पश्चिम 56' } 2352 वर्ग गज
उत्तर से दक्षिण : 42'

एम हरिहरन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज बंगलूर

तारीख : 29-1-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 जनवरी 1977

निर्देश सं० सी० आर० नं० 62/6137/76-77/ए० सी०
क्यू०/बी—यतः, मुझे, एम० हरिहरन्
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 9-ए० है, तथा जो 2 'क्रास, चिक्कक्षा
गारडन, बेंगलूर-18 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
बसवन गुडि, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 16-6-1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
घायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती कमला कृष्णमूर्ति, पत्नी डा० बि० एस० कृष्णमूर्ति
नं० 250/1, नवा नं० 23, 5th मैन रोड, यामराज पेठ, बेंगलूर-18
(अन्तरक)

2. श्रीमती एन० लीला, पत्नी श्री एम० पार्थसारथी,
मेजर, नं० 9 ए० (2 क्रास, चिक्कक्षा गारडन) शंकर मठ क्रास
रोड, 5 मैन रोड, यामराज पेठ, बेंगलूर-18 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 228/76-77 तारीख 16-6-1976)

नं० 9 ए० (2 क्रास क्रास चिक्कक्षा गारडन) शंकर मठ
क्रास रोड 5 मैन रोड, यामराजपेठ बेंगलूर-18 (मंडल नं०
29)

निवेशन का क्षेत्र : पूर्व से पश्चिम -35' } 203 वर्ग गज
या
उत्तर से दक्षिण -54' } 169.7 वर्ग गज

मकान का क्षेत्र : 10

बांध : उत्तर : नं० 23, कामलम्मा कृष्णमूर्ति का

दक्षिण : शंकरमठ क्रास रोड (IInd क्रास चिक्कक्षा
गारडन),

पूर्व : कमलम्मा कृष्णमूर्ति का नं० 19,

पश्चिम : लीला दशमुख का नं० 9।

एम० हरिहरन्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 22-1-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 जनवरी 1977

निर्देश सं० सी० आर० नं० 62/6141/76-77/ए० सी०
क्यू०/बी—यतः, मुझे, एम० हरिहरन्,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक

और जिसकी सं० 71 है, तथा जो रंगराव रोड, शंकरपुरम,
बंगलूर 4 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बसवनगुडि, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-6-1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री बि० बी० कृष्णस्वामी
- (2) बि० के० जयप्रकाश,
- (3) श्री बी० के० श्रीधर } सुपुत्र बी० बी० कृष्णस्वामी,
- (4) श्री बी० के० वसंत

नं० 39, पुराना कनकपुरा रोड, वसन्तगुडी, बंगलूर-4
(अन्तरक)

2. श्री ए० ए० एन० सुब्बराव नं० ई०-62, बुधवार,
पार्क, कोलाबा, बाम्बे-5 या नं० 62, रंगराव रोड, शंकरपुरम,
बंगलूर-4 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाप में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20 में यथा परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 241/76-77 तारीख 18-6-1976)

नं० 71, रंगराव रोड, शंकरपुरम, बंगलूर-4।

बांध : दक्षिण : श्री गोपाललया की संपत्ति

पश्चिम : श्री जी० के० काटुवसु

उत्तर : श्रीमती मालती सिङ्गूरस

पूर्व : श्री बी० बी० शेषगिरी।

एम० हरिहरन्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 22-1-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 फरवरी 1977

निर्देश सं० आर० ए० सी० 222/76-77—यतः, मुझे, के० एस० वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 52/172 पेटा है, तथा जो करनूलपेटा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनूल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-6-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, उसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः आय, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
4-476GI/76

1. (1) श्री रेड्डी सदाशिव रेड्डी पिता ईश्वररेड्डी
(2) यैना रेड्डी पिता रेड्डी लक्ष्मी रेड्डी पेदापाटु गांव
करनूल (अन्तरक)

2. श्रीमती वी० पुलम्मा गल्ली जंगम रेड्डी वकील घर
नं० 6-2-44 किला करनूल, करनूल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 52/172 करनूलपेटा-करनूल रजिस्ट्री कार्यालय में उप रजिस्ट्री करनूल दस्तावेज नं० 1221/76।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 5-2-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 फरवरी 1977

निर्देश सं० आर० ए० सी० 223/76-77—यतः, मुझे, के० एस० वेंकटरामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1-8-429/1 है, तथा जो चिकडपली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-6-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती एस० रुक्मिणी बाई अयाचित घर नं० 1-8-429/1 चिकडपली-हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्री एम० रामा चन्द्रा चारी घर नं० 1-8-429/1 चिकडपली हैदराबाद (अन्तरिती)

3. (1) श्री वी० अमरेश्वर शास्त्री (2) रामाचन्द्रा राउ घर नं० 1-8-429/1 चिकडपली, हैदराबाद (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. श्री सुब्रामन्यम C/O एम० रामाचन्द्रा घर नं० 1-8-429/1 चिकडपली, हैदराबाद (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर का बाग नं० 1-8-429/1 चिकडपली-हैदराबाद उत्तर में : घर के दारी नरसीम्मा का है,

दक्षिण में : बाकी का घर नं० 1-8-429/1 श्रीमती रुक्मिणी बाई अयाचिता का,

उत्तर में : रोड (रास्ता है),

पश्चिम में : घर जमना देवी का है।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 5-2-1977

सोहर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 फरवरी 1977

निदेश सं० आर० ऐ० सी० 218/76-77—यतः मुझे के०
एस० वेंकटरामन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 5-7-637/11 है, जो स्टेशन रोड में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नैजामाबाद, में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 29-7-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती)
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को;
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती लक्ष्मी बाई, पति मदनलाल अग्रवाल
2. श्रीमती लिलाबाई, पति शंकरलाल अग्रवाल
दोनों रहते हैं : नं० 15-1-1- उममानगंज,
हैदराबाद । (अन्तरक)

3. बी० श्रीशता मूरती पिता—वेनकट बुरगा प्रकाश नायडु
केयर आफ रवीन्द्रा कूल डीकंस,
स्टेशन रोड, नैजामाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मुलगी नं० 5-7-637/11 स्टेशन रोड, नैजामाबाद
रजिस्ट्री कराई है कार्यालय जैट उप रजिस्ट्री नैजामाबाद
वस्तावेज नं० 1539/76 ।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-2-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 फरवरी, 1977

सं० आर० ए० सी० 219/76-77—यतः मुझे, के०
एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 5-7-637/4 है, जो स्टेशन रोड, में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नैजामाबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
6-7-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती लक्ष्मी बाई, पति मदन लाल अग्रवाल
2. श्रीमती लीलाबाई पति शंकरलाल अग्रवाल
घर नं० 15-1-1-उसमान गंज, हैदराबाद
(अन्तरक)
2. श्री श्रीनिवाम सुपुत्र लक्ष्मय्या शिवाजी नगर,
नैजामाबाद
(अन्तरिती)
3. ऊषा फैन्सी स्टोर,
नं० 5-7-637/4, स्टेशन रोड, नैजामाबाद
(वह व्यक्ति जिसके अधियोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवितियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मुलगी नं० 5-7-637/4 स्टेशन रोड, नैजामाबाद
रजिस्ट्री की गई है। जैट उप रजिस्ट्री कार्यालय नैजामाबाद
दस्तावेज नं० 1540/76

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 7-2-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 फरवरी 1977

निदेश सं० आर० ए० सी० 220/76-77—यतः मुझे, के०
एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मुलगी नं० 5-7-637/3 है, जो स्टेशन रोड,
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नैजामाबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 6-7-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती लक्ष्मी बाई पति मदनलाल अग्रवाल

2. श्रीमती सीलाबाई पत्नी शंकर लाल अग्रवाल,
घर नं० 15-1-1-9, उसमानगंज, हैदराबाद ।
(अन्तरक)

2. श्रीमती सुचारिता देवी पत्नी नारायण रेड्डी,
पिक्चर पैलेस के पास, नैजामाबाद

3. मैसर्स बवालिटी होटल,
घर नं० 5-7-637/3, स्टेशन रोड, नैजामाबाद
(अन्तरिती)
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हस्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

आर० सी० सी० मुलगी नं० 5-7-637/3, स्टेशन रोड,
नैजामाबाद, रजिस्ट्री की गई है उप रजिस्ट्री कार्यालय में,
नैजामाबाद, दस्तावेज नं० 1541/76 है।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-2-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 फरवरी, 1977

सं० आर० ए० सी० 221/76-77—यतः मुझे, के०
एस० वेंकटरामन,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० मूलगी नं० 5-7 637/2 है, जो स्टेशन रोड,
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नैजामाबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 6-7-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पश्चात्:—

1. श्रीमती लक्ष्मी बाई, पत्नी मदनलाल अग्रवाल
2. श्रीमती लीलाबाई, पत्नी शंकरलाल अग्रवाल
दोनों रहते हैं: घर नं० 15-1-1- उममान गंज,
हैदराबाद। (अन्तरक)
श्रीमती सुकन्या देवी, पत्नी एम० नरेन्द्रा रेड्डी,
नैजामाबाद। (अन्तरिती)
मैसर्स क्वालिटी होटल और बार,
नैजामाबाद।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आप्रोध:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

आर० सी० सी० मूलगी नं० 5-7-637/2, स्टेशन रोड,
नैजामाबाद, रजिस्ट्री कराई गई है उप रजिस्ट्री कार्यालय
नैजामाबाद दस्तावेज नं० 1542/76

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, हैदराबाद

तारीख : 7-2-1977
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 फरवरी 1977

सं० आर० ए० सी० 224/76-77—यतः मुझे, के०
एम० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 10/358 है, जो आदीमूरती नगर, में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अनन्तापुर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
2-6-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिगत, पणति:—

1. एच० नारायण राउ

डोर नं० 14/87, कमलानगर, अनन्तापुर।

(अन्तरक)

2. मेडा नागाबुधनम पुत्र रामय्या,

डोर नं० 19-26, निलक रोड, अनन्तापुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

2/3 भाग घरका नं० 10/358 आदीमूरती नगर, अनन्तापुर।
रजिस्ट्री की गई अनन्तापुर उप रजिस्ट्री कार्यालय में दस्तावेज
नं० 1999/76।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-2-1977

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 फरवरी 1977

सं० आर० ए० सी० 225/76-77—यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 10/358 है, जो आदी मूरती नगर में स्थित है (और इससे उपबाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अनन्तापुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-6-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः—

1. एच० नारायण राउ घर नं० 14/87, कमला नगर के पास, अनन्तापुर।

(अन्तरक)

2. मैडा जानकाम्मा पत्नी एम नागाबुज्जनम डोर नं० 19/26, तिलक रोड, अनन्तापुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 भाग घर नं० 10/358 आदीमूरती नगर, अनन्तापुर, रजिस्ट्री की गई है उप कार्यालय अनन्तापुर में दस्तावेज नं० 2045/76 है।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-2-1977

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री बी० वेनकटराम रेड्डी, पिता—
रंगा-रेड्डी गुंज नैजामाबाद

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 फरवरी 1977

सं० आर० ए० सी० 226/76-77—यतः, मुझे के० एस०
वेनकटरामन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है और
जिसकी सं० 7-11-1079/6 जो है, मिरच का दीवार में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नैजामाबाद में रजिस्ट्री-करण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1976 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
5—476 जीआई/76

(2) जेतलाल, पिता—जैरामभाई
और करसनदास, पिता—जैरामभाई गुंज
नैजामाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० 7-11-1079/6 मिरची कमपैन्ड के पास
नैजामाबाद रजिस्ट्री की गयी है। उप रजिस्ट्री कार्यालय
नैजामाबाद दस्तावेज नं० 1390/76।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 8-2-1977

मोहूर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 फरवरी 1977

निदेश सं० 1/जून/76-77—यतः, मुझे, जी० रामनाथन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 58 है, जो रेलवे स्टेशन रोड तिरुपत्तूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुपत्तूर (पत्र सं० 1468/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बी० अबदुल समद साहिब

(अन्तरक)

(2) श्री डी० मोहम्मद ईशाक

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तिरुपत्तूर रेलवे स्टेशन रोड डोर सं० 58 (टी० एस० सं० 357) में 8924 स्क्वयर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 5-2-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 फरवरी 1977

निदेश सं० 12/जून/76-77—यतः, मुझे जी० रामनाथन,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 104 है, जो रामसामि स्ट्रीट मद्रास में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं०
2913/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 9-6-1976 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिति) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) बी स्टेट बैंक आफ इण्डिया स्टाफ यूनियन, (अन्तरक)
- (2) श्री पी० एम सुब्रमानय मुदलियार और सालम्माल
(अन्तरिती)

- (3) 1. के० चक्रपानी
2. पी० अन्नामलै

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 1, रामसामि स्ट्रीट डोर सं० 104 (आर० एस०
सं० 3155) में एक ग्राउन्ड और 1045 स्क्वयर फीट की भूमि
(मकान के साथ)।

जी० रामनाथन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 5-2-1977।
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री पी० पारतसारसी मुखलियार और मदन मोहन
(अन्तरक)आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती ऊमा देवी और आबी (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 फरवरी 1977

निदेश सं० 15/जून/76-77—यतः, मुझे, जी० रामनाथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 14-बी० है, जो कीलपाक गारडन रोड मदरास-० में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मदरास (पत्र सं० 673/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-6-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मदरास-10, कीलपाक गारडन रोड डोर सं० 14बी०
(आर० एस० सं० 85/1) में 4-1/2 ग्राउंड की खाली भूमि।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 5-2-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री मलु (सल्लेप्प गऊण्डर)

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पोरप्प गऊण्डर और मतुसामि गऊण्डर

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 फरवरी 1977

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

निदेश सं० 18/जून/76-77—यतः, मुझे, जी० रामानाथन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० 200/1 है, जो संकरीदुर्ग गांव में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, संकरादुर्ग (प्ल सं० 442/76) में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
जून 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में;
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

अनुसूची

सेलम जिला संकरादुर्ग गांव एस० सं० 200/1 में 2.86
एकर खेती की भूमि और आवि।

जी० रामानाथन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 5-2-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री सेंगोड गऊन्डर और आदी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पेरिय गऊन्डर

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर/आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 फरवरी 1977

निदेश सं० 20/जून/76-77—यतः, मुझे, जी० रामानाथन, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 129/6, 128/3 और 129/2 है, जो रामापुरम गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भूमिसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मल्लसमुद्रम (पत्र सं० 636/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-6-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिल्ला रामापुरम गांव एस० सं० 129/6 (1.56 एकर), 128/2 (1.33 एकर), 129/2 (4.87 एकर), में 7.76 एकर खेती की भूमि और आबी।

जी० रामानाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 5-2-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 फरवरी, 1977

(1) श्रीमती चन्द्राबेन

(अन्तरक)

(2) श्री अमरचन्द बीयानी

(अन्तरिती)

(3) 1. श्री रायचन्द परेक, 2. जान, 3. पी० नारायण,
4. सम्युत, 5. भारत एलकट्रीक को०।

(वे व्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

निर्देश सं० 86/जून/76-77—यतः, मुझे, जी० रामनाथन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 11 है, जो हनुमन्तरामन कोईल स्ट्रीट मदरास 3
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मदरास (पत्र
सं० 2969/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 19-6-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में कारतदिक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-
बदल किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मदरास 3 हनुमन्तरायन कोईल स्ट्रीट डोर सं० 11 (आर०
एस० सं० 8932) में 951 स्क्वयर फीट की भूमि (मकान के
साथ)।

जी० रामनाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 5-2-1977

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार

पटना, दिनांक 3 फरवरी, 1977

निदेश सं० III-246/अर्जन/76-77/3231—यतः मुझे, अजय कुमार सिंहा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और सर्वे प० सं० 1072 और 1040 का हिस्सा एवं खास नं० 167 है, तथा जो बोरिंग रोड पटना में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-6-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धारतविक रूप से बधित नहीं दिया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री रतनेश्वर सिंह द्वारा पिता श्री राज कुमार योगेश्वर सिंह, दरभंगा।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहन प्रसाद गुप्ता
बल्द श्री बैजनाथ प्रसाद,
सा० अनुग्रह नारायण रोड,
थाना—कदमकुआ, पटना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन रकबा 3 कट्ठा 14 धूर, 7 धूरकी 8 फूरकी जो बोरिंग रोड पटना में है। यह सर्वे प० सं० 1062 और 1080 का भाग है खाता सं० 167, वार्ड सं० 34 है। तथा जिसका वर्णन दस्तावेज संख्या 4361 दिनांक 17-6-1976 में पूर्ण है।

(अजय कुमार सिंहा)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख : 3-2-1977

मोहूर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 3 फरवरी 1977

तिर्देश सं० III-247/अर्जन/76-77/3232—यतः मुझे,
अजय कुमार सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि रखावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे प० 1080 का हिस्सा एवं खाता सं० 187 है, तथा जो बोरिंग रोड पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 17 जून 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6-476G1/76

1. श्री रघुनेश्वर सिंह द्वारा पिता श्री राज कुमार योगेश्वर सिंह, दरभंगा। (अन्तरक)

2. श्री मदन प्रसाद गुप्ता बाल्द श्री बैजनाथ प्रसाद, सा० अनुग्रह नागायण रोड, थाना कदम कुंआ, पटना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रखावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन रकबा 3 कट्ठा 4 धूर 14 धूरकी 6 फूरकी के साथ दो मंजला मकान का एक हिस्सा जो बोरिंग रोड पटना में है। यह सर्वे प० सं० 1080 का भाग है एवं खाता सं० 187, बार्ड सं० 34 है। जिसका वर्णन दस्तावेज संख्या 4362 दिनांक 17 जून 1976 में पूर्ण है।

अजय कुमार सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन परिक्षेत्र, बिहार,
पटना।

दिनांक : 3 फरवरी, 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 3 फरवरी 1977

निर्देश सं० III-248/अर्जन/76-77/3233—यतः मुझे,
अजय कुमार सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे पं० 1080 का हिस्सा एवं खाता सं०
167 है, तथा जो बोरिंग रोड, पटना में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19
जून 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य

से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित
बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
धार्मिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनु-
सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम कुमार यशेश्वर सिंह बल्द स्व० राजा बहादुर
विशेश्वर सिंह, दरभंगा। (अन्तरक)

2. श्रीमती नगीना देवी जीजे बैजनाथ प्रसाद, अनुग्रह
नारायण रोड, थाना कदमकुंआ, पटना (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाध
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन रकबा 1 कट्ठा 17 धूर 3 धूरकी 14 फूरकी
के साथ वो मंजिला मकान का एक हिस्सा जो बोरिंग रोड,
पटना में है। यह सर्वे सं० पं० सं० 1080 का भाग है एवं
खाता नं० 167, वार्ड सं० 34 है। जिसका वर्णन वस्तावेज
सं० 4452 दिनांक 19 जून 1976 में पूर्ण है।

अजय कुमार सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार
पटना।

दिनांक : 3 फरवरी 1977
मोहर।

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार

पटना, दिनांक 3 फरवरी 1976

निदेश सं० III-249/अर्जन/76-77/3234—यतः मुझे

अजय कुमार सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे प० सं० 1080 का हिस्सा एवं खाता सं० 167 है, तथा जो बोरिंग रोड, पटना में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19-6-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती विजय किशोरी जौगें राज कुमार यशेश्वर सिंह दरभंगा ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सरोज गुप्ता जौगें श्री चन्द्र शेखर प्रसाद गुप्ता, अनुग्रह नारायण रोड थाना-कदमकुआं, पटना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन रकबा व कट्टा 16 धूर 8 धूरकी 3 फुट की के साथ दो मंजिला मकान का एक हिस्सा जो बोरिंग रोड, पटना में है । यह सर्वे प० सं० 1080 का भाग है एवं खाता सं० 967 वार्ड सं० 34 है जिसका नवीन दस्तावेज संख्या 4459 दिनांक 19-6-76 में पूर्ण है ।

अजय कुमार सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार

पटना

दिनांक 3-2-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार

पटना, दिनांक 3 फरवरी 1977

निदेश सं० III-250/अर्जन/76-77/3235—यतः मुझे
अजय कुमार सिंहा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है
और जिसकी खाता सं० 167, तथा सर्वे प्लॉट सं० 1062 का
हिस्सा है, तथा जो बोरिंग रोड, पटना में स्थित (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक 12-6-76 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-अ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

(1) श्रीमती विजय किशोरी जीजे राज कुमार यशेश्वर सिंह
सा० दरभंगा ।

(अन्तरक)

(2) श्री चन्द्रशेखर प्रसाद गुप्ता वल्द श्री बैजनाथ प्रसाद सा०
अनुग्रह नारायण रोड, थाना कदमकुआं, पटना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन रकबा 1 क० 16 धूर 9 धुरकी 2 फुरकी के साथ दो
मंजिला भवन का हिस्सा जो बोरिंग रोड पटना में है, सर्वे प्लॉट सं०
1062 का भाग एवं खाता सं० 167, वा० सं०-34 है तथा जिसका
वर्णन वस्तावेज सं० 4182 दिनांक 12-6-76 में पूर्ण है ।

अजय कुमार सिंहा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार

दिनांक : 3-2-77.

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार

पटना, दिनांक 3-2-77

निदेश सं० III-251/अर्जन/76-77/3236—यतः मुझे
अजय कुमार सिंहा,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे प्लॉट सं० 1080 का हिस्सा खाता सं० 167
है, तथा जो बोरिंग रोड, पटना में स्थित है (और इससे उपलब्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 17-6-76
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

(1) श्री राजेश्वर सिंह द्वारा पिता राज कुमार यशेश्वर सिंह,
सा० दरभंगा।

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक कुमार गुप्ता वरुद श्री वैज नाथ प्रसाद, सा०
अनुग्रह नारायण रोड, थागा कदम कुआं, पटना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्षः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन रकबा 3 कट्टा 7 धूर 10 धूर की 3 फुरकी जो बोरिंग
रोड पटना में है और जो सर्वे प्लॉट सं० 1080 का भाग है, खाता
सं० 167, वा० सं० 34 है तथा जिसका वर्णन दस्तावेज सं०
4363 दिनांक 17-6-1976 में पूर्ण है।

(अजय कुमार सिंहा)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार

पटना

दिनांक : 3-2-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० —————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, निरीक्षी सहायक प्रायकर आयुक्त,
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना

पटना, दिनांक 3 फरवरी, 1977

निदेश सं० III-252/अर्जन/76-77/3237—यतः मुझे,
अजय कुमार सिंहा,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है
और जिनकी खाता सं० 167 तथा जो सर्वे प्लॉट सं० 1062 का
भाग है, तथा जो बोरिंग रोड, पटना में स्थित है (और इसमें
उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-6-76 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और;
या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तः—

- (1) श्री राज कुमार यशेश्वर सिंह बल्द स्व०
राजा बहादुर विशेष्वर सिंह सा० दरभंगा
(अन्तरक)
- (2) वैजनाथ प्रसाद बल्द स्व० देवी लाल साह,
सा०-अनुग्रह मारायण रोड,
थाना कदमकुआ, पटना ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-
नियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन रकबा 1क० 17 धूर 3 धूरकी 14 फुरकी के साथ
दो मंजिला मकान का हिस्सा जो बोरिंग रोड, पटना में है, सर्वे
प्लॉट सं० 1062 का भाग है खाता सं०—167, बा० सं०
34 है तथा जिसका वर्णन दस्तावेज सं० 4181 दिनांक 12-6-76
में पूर्ण है ।

अजय कुमार सिंहा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार,
पटना

तारीख : 3-2-77
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार पटना

पटना, दिनांक 3 फरवरी 1977

सं० III-253/अर्जन/76-77/3238—वतः मुझे, अजय कुमार सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी खा० सं० 182 पुराना एवं 23 (नया) है, तथा जो नया गांव मुलतानगंज (भागलपुर) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय भागलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-6-76 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और; या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269 ब के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री सुरेशचन्द्र सिंह वल्द श्री दीना नाथ सिंह,
सा० नयागांव, पो० कुमैया, थाना
मुलतानगंज, भागलपुर (अन्तरक)
- (2) श्रीमती बिछिया देवी जौजे श्री आंकी चौधरी सा०
नयागांव, थाना—मुलतानगंज,
पो० कुमैया, भागलपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन रकबा 3.05 एकड़ जो नया गांव थाना मुलतान गंज भागलपुर में है तथा खाता सं० 182 पुराना, 23 नया, प्लॉट सं० 744, 745 पुराना, 823, 824 एवं 825 नया है तथा जिसका वर्णन वस्तावेज सं० 6035 दिनांक 18-6-76 में पूर्ण है।

अजय कुमार सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार
पटना

दिनांक 3-2-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-V, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 फरवरी, 1977

निर्देश सं० ए०सी०-30 अर्जन रेंज-V/कैल०-76-77—

अतः मुझे, एम० एस० इनामदार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिमकी सं० 64/9 है तथा जो डा० सुरेश चन्द्र बैनर्जी रोड,
कलकत्ता-10 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन,
दिनांक 28-6-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरगत की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों-
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री आशीन कुमार सेन (अन्तरक)
2. श्री रबीन्द्र चन्द्र सरकार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2 कट्ठा 11 छिटांक भूमि पर स्थित मकान सं० 64/9 डा०
सुरेश चन्द्र बैनर्जी रोड, कलकत्ता-10, डीड सं० 616 ता०
28-6-76 द्वारा रजिस्ट्रीकृत।

एम० एस० इनामदार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज, कलकत्ता

दिनांक 3-2-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 5 फरवरी, 1977

निर्देश सं० टि०आर०-12/सि०-8/बम्बई/76-77—अतः
मुझे, एस० के० चक्रवर्ती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसका सं० 5/2, (फ्लैट 7 बि०) है तथा जो रासेल स्ट्रीट,
में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई, में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 22-7-76
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

7—476 जी०आई०/76

1. (1) मिसेज कमला राम चांद आदवाणी
(2) मि० किरण गुल आदवाणी
(3) मिसेज सरली समन आदवाणी
(4) मिसेज पारवती रामचांद आदवाणी
(5) मिसेज कमल दौलत आदवाणी
(6) मिसे पुष्पा राम चांद आदवाणी
(7) मिस जेमी जहरमल आदवाणी
(8) मिसेज सरस्वती रामचांद पुनवाणी
(9) मिसेज लिलन किपिन पुनवाणी
(10) मोहन पारसरम भानुहियाणी। (अन्तरक)

2. किशोर चांद नायर (एच० यू० एफ०) (अन्तरिती)

3. मैसर्स भारतीया इलेक्ट्रिक, स्टील को०, लि० (वह
व्यक्ति, अधिभाग में स्थित है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

5/2, रासेल स्ट्रीट, कल-16, अवस्थित "पुणाम" मकान का
घात तल्ला में आफिस नं० 7बी जो लगभग 1258 वर्ग फीट है।

एस० के० चक्रवर्ती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I,
54, रफीअहमद किवदई रोड,
कलकत्ता-16।

दिनांक 5-2-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 7 फरवरी, 1977

सं० आर० ए० सी० नं० 382—यतः मुझे, बी० बी० सुब्बाराव,
राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 12-9-16 है, जो कोटिलिगाफेट में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजमन्ड्री में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-6-76
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कंटमानि श्री रामकृष्ण राजमन्ड्री (अन्तरक)

2. श्रीमती केसवरपु लक्ष्मीनरसम्मा, राजमन्ड्री
(अन्तरिती)

*3. सत्या साईं टिम्बर डिपो, राजमन्ड्री (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

राजमन्ड्री रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-6-76 में
पंजीकृत दस्तावेज नं० 1912/76 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति।

बी० बी० सुब्बाराव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 7-2-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 7 फरवरी, 1977

सं० आर० ए० सी० नं० 383—यतः मुझे, बी० वी० सुब्बाराव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 13-15-31 है, जो कोर्टिलगालपेट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजमन्त्री में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-6-76 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. कंटमनि रत्नकुमार, राजमन्त्री (अन्तरक)
2. कट्टी वरलक्ष्मी, राजमन्त्री। (अन्तरिती)
- * 3. रामचन्द्र टिबर ट्रेडर्स, राममोहन टिबर ट्रेडर्स, राजमन्त्री (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

राजमन्त्री रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-6-76 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1995 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति।

बी० वी० सुब्बाराव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 7-2-77
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 10 फरवरी 1977

सं० आर० ए० सी० नं० 384—यतः मुझे, बी० बी० सुब्बाराव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 13/2, 20/263, 63/3 और 20/2 है, जो पेद्दापुराडु में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काकिनाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-6-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. कुमारी मेली जोगायम्मा वेलिंग (अन्तरक)

2. श्री मेली वेंकटाराव वेलिंग (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

काकिनाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-6-76 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2455/76 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति।

बी० बी० सुब्बाराव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 8-2-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 7 फरवरी 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 1/एस० आर० 3/1113/ जुलाई 1/(7)/76-77—अतः मुझे, बी० के० सिन्हा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० खसरा नं० 71/2 72/2, 73, 74, 75/2, 76/2, 93, 119 और 970 है तथा जो गांव सतबारी तहसील महरोली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-6-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरी चन्द सचदेवा पुत्र स्व० श्री खुशी राम सचदेवा निवासी 34, डा० मुखर्जी नगर, किंगजवे कैप दिल्ली-9 जर्नेल अटारनी श्री ईशवर चन्द पुत्र श्री पियारा लाल निवासी गांव खिरकी, दिल्ली। 2. श्रीमती फूल देवी बेबा श्री पियारा लाल निवासी गांव किरकी दिल्ली स्टेट, दिल्ली और 3. श्रीमती कैलाश देवी पुत्री श्री पियारा लाल पत्नी श्री हुकम सिंह निवासी मस्जिद मोठ दिल्ली। (अन्तरक)
2. मै० रूँ० वेल (इंडिया) प्रा० लि० बी०-54 कनाट प्लेस, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 18 बीघा 19 बिस्वा जिसका खसरा नं० 71/2 (2-11), 72/1 (2-8), 73 (4-16) 74/(0-9); 75/2 (3-16), 76/2 (0-18), 93 (2-6), 119 (0-9) और 970 (0-6) जो कि गांव सत बाड़ी, तहसील महरोली दिल्ली स्टेट, नई दिल्ली में है।

बी० के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 7 फरवरी 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, 123, माउन्ट रोड, मद्रास-600006

मद्रास, दिनांक 16 फरवरी 1977

निदेश सं० 3617/76-77—यतः मुझे, एस० राजरटनम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० पेरुमाल नायकन पालयम में 2.76 एकड़ और सिलरचर में 0.49 एकड़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नेल्लिकुप्पम (डाकुमेण्ट सं० 601/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख में 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम; के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती तीरिपुरसुन्दरि और

श्री दनिकाचल मुदलियार

(अन्तरक)

(2) श्री कुमारसामि चेट्टियार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

पेरुमाल नायकन पालयम में 2.76 एकड़ जिसका एस० सं०: 473/1; 473/2, 473/3, 473/4, 473/5, 473/6, 474/2, 474/3, 475/7 और सिलरचर में 0.49 एकड़ जिसका एस० सं०: 6/-

एस० राजरटनम

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास ।

तारीख : 16-2-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-II, 123, माउन्ट रोड, मद्रास-600006

मद्रास, दिनांक 16 फरवरी 1977

निदेश सं० 3617/76-77—यतः मुझे एस० राजरटनम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० पेरुमालनायकन पालयम में 3.27 1/2 एकर है जिसका (एस० सं० 441/1-; 442/1; 444/1ए; 444/1बी०, 445/1, 445/2ए; 445/2बी; 446/1; में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), 'रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नेल्लिकुप्पम 'डाकुमेण्ट 602/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख में 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती तीरिपुरसुन्दरि और

श्री बनिकाचल मुदलियार

(अन्तरक)

(2) श्री सुब्रमनिय चेट्टियाच

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अफोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पेरुमाल नायकन पालयम में 3.27 1/2 एकर जिसका एस० सं० 441/-; 442/1; 444/1ए; 444/1बी; 445/1; 445/2ए; 445/2बी और 446/1।

एस० राजरटनम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 16-2-77

अर्जन रैंज-II मद्रास

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, 123, माउन्ट रोड, मद्रास-600006।

मद्रास, दिनांक 16 फरवरी 1977

निदेश सं० 3617/76-77—यतः मुझे एस० राजरटनम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० पेरुमाल नायकन पालयम में 3.10 एकर
है जिसका एस० सं० 468/1, 468/2, और 469/- में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नेल्लिकुप्पम 'आकुमेण्ट
603/76' में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख में 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-
तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए शय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:

- (1) श्री कृष्ण सामि मुदलियार;
वनिकाचल मुदलियार और
श्रीमती तीरिपुरसुन्दरी
- (2) श्री नटराज सेट्टियार

(अन्तरक)
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पेरुमाल नायकन पालयम में 3.10 एकर जिसका एस०
सं० : 468/1; 468/2 और 469/-

एस० राजरटनम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख : 16-2-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, 123, माउन्ट रोड, मद्रास 600006

मद्रास, दिनांक 16 फरवरी, 1977

निर्देश सं० 3617/76-77—यतः मुझे, एस० राजरतनम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० पुरुमाल नायकन पालयम में 3.17 एकर
एस० सं० 446/5; 448/3; 448/4; 463/4; 467/-
और 466/- में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नेल्लिकुप्पम (शकुमेण्ट 604/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख में 1976
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-
तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

8-476GI/76

- (1) श्री कृष्णसामि मुदलियार;
दनिकाचल मुदलियार और
श्रीमती तिरिपुरसुन्वरि (अन्तरक)
(2) श्री आरुमुगम (मनर) (अन्तरिती)
(श्री नटराज सेट्टियार के द्वारा)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पुरुमाल नायकन पालयम में 3.17 एकर जिसका एस० सं०
446/5; 448/3; 448/4; 463/4; 467/- और 466/-;

एस० राजरतनम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख : 16-2-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज II, 123, माउन्ट रोड, मद्रास-600006

मद्रास, दिनांक 16 फरवरी 1977

निदेश सं० 2989/76-77—यतः मुझे एस० राजरटनम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० नेल्लियालम पंचायत, आर० एस० सं०
683/3 सि० अय० ए०; 610/3, 611/1 45.38
एकर का भूमि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
घूडलूर 'डाकुमेंट 454/76' में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, 31-5-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री एन० एम० लक्ष्मणन;
(2) श्री एन० डी० राममूर्ति
(3) श्रीमती एन० डी० नीलम्मा;
(4) श्रीमती जी० जयम्मा;
(5) श्री एन० डी० उमाशंकर;
(6) श्री एल० देवराज; (अन्तरक)
2. एम० सेन्तिल कन्नन
(श्री ए० मेय्यप्पन के द्वारा) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

आर० एस० सं०:	एकर-सेण्ट
683/3 सी० अय० ए०	45-05
610/3	0-14
611/1	0-19
नेल्लियालम पंचायत।	45-38

एस० राजरटनम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 16-2-77

अर्जन रैंज II, मद्रास

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

एफ० न० 2990/76-77

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, माउन्ट रोड, मद्रास-600006

मद्रास, दिनांक 16 फरवरी 1977

निदेश सं० 2990/76-77—यतः मुझे, एस० राजरत्नम,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०
से अधिक है,

और जिसकी सं० नेल्लियालम में 53.85 एकर; एस० सं०
683/3 सि० आय० ए०, 683/3ए; 683/2; 612/1;
613/1; 613/3; 614/1; 615/1; 615/3; 616/1;
616/3 और 683/3बी; में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय घूडलूर (डाकुमेण्ट 455/76) में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
31-5-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत धिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व,
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री एन० एम० लक्ष्मणन;

(2) श्री एन० डी० राममूर्ति;

(3) श्रीमती एन० डी० नीलम्मा;

(4) श्रीमती जी० जयम्मा;

(5) श्री एन० डी० उमाशंकर;

(6) श्री एल० देवराज; (अन्तरक)

2. (1) एम० सरसगन (मैनर) (अन्तरिती)

(श्री ए० मेय्यप्पन के द्वारा)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

नेल्लियालम में 53.85 एकर जिसका एस० सं० 683/3
सि० आय० ए०; 683/3ए; 683/2; 612/1; 613/1;
613/3; 614/1; 615/1; 615/3; 616/1; 616/3
और 683/3बी।

एस० राजरत्नम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख : 16 फरवरी 77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

एफ० नं० 2991/76-77

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, माउन्ट रोड, मद्रास 600006

मद्रास, दिनांक 16 फरवरी 1977

निर्देश सं० 2991/76-77—यतः मुझे एस० राजरत्नम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 70.75 एकर है तथा जो नेल्लियालम में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, घूडलूर (डाकुमेण्ट 456/
767) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 31-5-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री एन० एम० लक्ष्मणन;

(2) श्री एन० डी० राममूर्ती;

(3) श्रीमती एन० डी० नीलम्मा;

(4) श्रीमती जी० जयम्मा;

(5) एन० डी० उमाशंकर;

(6) एल० देवराज;

(अन्तरक)

2. श्री ए० मेय्यप्पन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्रवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

नेल्लियालम में 70.75 एकर जिसका आर० एस० सं०
40/1 सी० 2ए; 40/1 सी० 2ए; 691/3ए० सी० आय० सी;
691/1; 601/1; 602/1; 603/1; 604/1; 605/1;
606/-; 607/1; 608/1; 609/1; 610/1; 691/7
ए० 3बी; और 683/41

एस० राजरत्नम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास ।

तारीख . 16 फरवरी 77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 11, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 27 जनवरी 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/1233/76-77:—

अतः मुझे, एम० एस० गोयला

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 3507 है तथा जो आर्यपुरा, सब्जी मण्डी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

(1) श्री भरिया मंग ट्रस्ट, द्वारा श्री राम सरन दास सिंगल पुत्र श्री आर० के० डी० सिंगल, कनवैयर, निवासी मैन बाजार, सब्जी मण्डी, दिल्ली (2) लाला जगन नाथ पुत्र श्री राम रूप निवासी बगाली मल मार्किट, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री रजिन्दर कुमार कौशिक (राज कौशिक) पुत्र डा० एस० पी० कौशिक 3508 आर्यपुरा, सब्जी मण्डी, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जमीन का टुकड़ा, चार विवारी सहित, जिसका क्षेत्रफल 250 वर्गगज है तथा म्युसिपल नं० 3507 जोकि आर्यपुरा, सब्जी मण्डी, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : जायदाद डा० एस० पी० कौशिक

पश्चिम : जायदाद डा० एस० पी० कौशिक

उत्तर : गली पीपलवाली

दक्षिण : जायदाद श्री ब्रज मोहन

एम० एस० गोयला

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 11, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 27 जनवरी, 1977

मोहर :

मंघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

इंजीनियरी सेवा परीक्षा, 1977

नई दिल्ली, दिनांक 26 फरवरी, 1977

सं० एफ० 2/11/76-प० I (ख)—भारत के राज-पत्र, दिनांक 26 फरवरी, 1977 में रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार नीचे पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं/पदों पर भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बंबई, कलकत्ता, कटक, दिल्ली, दिसपुर (गोहाटी), हैदराबाद, जयपुर, मद्रास, नागपुर, पटियाला, पटना, शिलांग, श्रीनगर और त्रिवेन्द्रम में 2 अगस्त, 1977 से एक सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी।

आयोग यदि चाहे तो, परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा उसके प्रारंभ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश प्राप्त उम्मीदवारों को परीक्षा की समय-सारणी तथा स्थान अथवा स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा। (देखिए उपाबंध, पैरा 11)।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर जिन सेवाओं/पदों के लिए भर्ती की जानी है और विभिन्न सेवाओं/पदों की रिक्तियों की अनुमानित संख्या निम्न प्रकार है :—

मुप—क

(i) इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा	3	16**
(ii) वैद्युत् इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा	3	10**
(iii) सिगनल इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा	.	6**
(iv) यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा	.	10**
(v) भारतीय रेल भंडार सेवा :—		
(क) सिविल इंजीनियरी पद	}	8**
(ख) यांत्रिक इंजीनियरी पद		
(ग) वैद्युत् इंजीनियरी पद		
(घ) दूर संचार/इलैक्ट्रानिकी इंजीनियरी पद		
(vi) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा	.	20
(अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए 3 तथा अ० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए एक आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित है)।		

(vii) केन्द्रीय वैद्युत् इंजीनियरी सेवा

8

(अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए 2 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित है)।

(viii) भारतीय पूर्ति सेवा :—

(क) यांत्रिक इंजीनियरी पद

1

(रिक्ति अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है)।

(ख) वैद्युत् इंजीनियरी पद

1

(ix) सैनिक इंजीनियर सेवाएं

80

(भवन और सड़क संवर्ग)

(अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए 22 तथा अ० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए 13 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित है)।

(x) सैनिक इंजीनियर सेवा (वैद्युत् और यांत्रिक संवर्ग) :—

(क) यांत्रिक इंजीनियरी पद

25

(अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए 6 तथा अ० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए 4 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित है)।

(ख) वैद्युत् इंजीनियरी पद

25

(अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए 5 तथा अ० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए 4 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित है)।

(xi) भारतीय आयुध कारखाना सेवा (इंजीनियरी शाखा)

(क) सिविल इंजीनियरी पद

5

(अ० जा० और अ० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए एक-एक आरक्षित रिक्ति सम्मिलित है)।

(ख) यांत्रिक इंजीनियरी पद	20	(ग) दूर संचार इंजीनियरी पद	5
(अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए 4 तथा अ० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए 2 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं)।		(अ० जा० तथा अ० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए एक-एक आरक्षित रिक्ति सम्मिलित है)।	
(ग) वैद्युत् इंजीनियरी पद	7	(XV) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क)	2
(अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए 2 तथा अ० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए एक आरक्षित रिक्ति सम्मिलित है)।		(अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए एक आरक्षित रिक्ति सम्मिलित है)।	
(घ) इलैक्ट्रॉनिकी इंजीनियरी पद	5	(XVI) उप आयुध पूर्ति अधिकारी, ग्रेड II के पद :—	
(अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए 1 तथा अ० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए एक आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं)।		(क) यांत्रिक	2
xii) टेलीग्राफ इंजीनियरी सेवा	60**	(ख) इलैक्ट्रॉनिकी	1
(xiii) केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा		(ग) वैद्युत्	2
(क) सिविल इंजीनियरी पद	12	(अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए एक आरक्षित रिक्ति सम्मिलित है)।	
(अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए 2 तथा अ० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए 1 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं)।		(xvii) सहायक ड्रिलिंग इंजीनियर का पद, भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण	*
(ख) यांत्रिक इंजीनियरी पद	*	(xviii) यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) का पद, भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण	*
(xiv) केन्द्रीय शक्ति इंजीनियरी सेवा :—		(xiX) सहायक कार्यकारी इंजीनियरी के पद, डाक-तार सिविल इंजीनियरी स्कन्ध :	
(क) वैद्युत् इंजीनियरी पद]	25	(क) सिविल	*
(अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए 7 तथा अ० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए 4 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं)।		(ख) वैद्युत्	*
(ख) यांत्रिक इंजीनियरी पद	10	(XX) सहायक प्रबन्धक (कारखाना) का पद, डाक-तार दूर-संचार कारखाना संगठन	2
(अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए 2 और अ० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए 2 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं)।		(xxi) इंजीनियर का पद, वायरलेस आयोजन और समन्वय स्कन्ध/अनुश्रवण संगठन, संचार मंत्रालय	1
		(xxii) उप-प्रभारी इंजीनियर का पद, समुद्रपार संचार सेवा, संचार मंत्रालय	2

(xxiii) सहायक स्टेशन इंजीनियर का पद, आकाशवाणी, सूचना और प्रसारण मंत्रालय	41**	(xxix) सहायक इंजीनियर का पद, डाक-तार सिविल इंजीनियरी स्कन्ध :—	*
(xxiv) तकनीकी अधिकारी का पद, सिविल विमानन विभाग, पर्यटन और सिविल विमानन मंत्रालय	12	(क) सिविल (ख) वैद्युत्	*
(अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए 4 और अ० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए 2 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं)।		(xxx) सहायक इंजीनियरी के पद, सिविल निर्माण-स्कन्ध, आकाशवाणी :—	
(xxv) संचार अधिकारी का पद, सिविल विमानन विभाग, पर्यटन और सिविल विमानन मंत्रालय	4	(क) सिविल (ख) वैद्युत्	*
(अ० जा० तथा अ० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए एक-एक आरक्षित रिक्ति सम्मिलित है)।		(xxxi) सहायक इंजीनियर का पद, आकाशवाणी, सूचना और प्रसारण मंत्रालय	40**
(xxvi) सहायक कार्यकारी इंजीनियर का पद, सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा :—		(xxxii) सहायक इंजीनियर का पद, समुद्रपार संचार सेवा, संचार मंत्रालय	7
(क) सिविल	18	(अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए 2 और अ० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए एक आरक्षित रिक्ति सम्मिलित है)।	
(अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए 6 और अ० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए 3 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं)।		(xxxiii) तकनीकी सहायक का पद, (अराजपत्रित), समुद्रपार संचार सेवा, संचार मंत्रालय	5
(ख) यांत्रिक	7	(अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए 1 और अ० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए एक आरक्षित रिक्ति सम्मिलित है)।	
(अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए 2 और अ० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए 1 आरक्षित रिक्ति सम्मिलित है)।		मद संख्या (i), (ii), (iii), (iv), (v) तथा (vi) पर उल्लिखित सेवाओं/पदों के सामने दिखाई गई रिक्तियां स्थायी हैं।	
ग्रुप—ख		मद संख्या (vi), (vii), (viii), (ix), (x), (xi), (xii), (xiii), (xiv), (xv), (xvi), (xvii), (xviii), (xix), (xx), (xxi), (xxii), (xxiii), (xxiv), (xxv), (xxvi), (xxxi), (xxxii) और (xxxiii) पर उल्लिखित सेवाओं/पदों के सामने दिखाई गई रिक्तियां अस्थायी हैं।	
(xxvii) तार यातायात सेवा	*	उपर्युक्त संख्याओं में परिवर्तन किया जा सकता है। *रिक्तियां सरकार ने सूचित नहीं की हैं।	
(xxviii) सहायक यांत्रिक इंजीनियर का पद, भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण	*	**अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या, यदि कोई होगी, सरकार द्वारा निर्धारित की जाएगी।	

नोट :—उपर्युक्त सेवाओं/पदों पर शर्ती नियमावली के परिशिष्ट I के पैरा 2 में निर्धारित परीक्षा योजना (योजनाओं) के आधार पर की जाएगी।

3. उम्मीदवार उपर्युक्त पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं/पदों में से सबके लिए या किसी एक के लिए परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। यदि कोई उम्मीदवार एक से अधिक सेवा/पद के लिए परीक्षा में प्रवेश पाना चाहता हो तो भी उसे एक ही आवेदन-पत्र भेजने की आवश्यकता है। उसे नोटिस के पैरा 6 में उल्लिखित शुल्क भी केवल एक बार देना होगा और प्रत्येक सेवा/पद, जिसके लिए वह आवेदन कर रहा है, के लिए अलग-अलग शुल्क नहीं देना होगा।

ध्यान दें 1 :—उम्मीदवारों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे जिन सेवाओं/पदों के लिए विचार किए जाने के इच्छुक हों, अपने आवेदन-पत्रों में उनका वरीयता क्रम के अनुसार स्पष्ट उल्लेख करें। उन्हें मनाह दी जाती है कि वे जितनी आहें उतनी वरीयताओं का उल्लेख करें ताकि योग्यता क्रम में उनके रैंक का ध्यान रखते हुए, नियुक्ति करते समय उनकी वरीयताओं पर उचित ध्यान दिया जा सके।

स्थायी और अस्थायी दोनों तरह की रिक्तियों वाले पदों का (देखिए नोटिस का पैरा 2) स्थायी और अस्थायी रिक्तियों के लिए अलग अलग और सुनिश्चित उल्लेख किया जाना चाहिए।

इस प्रकार, यदि वांछित हो तो उसी सेवा/पद का एक से अधिक बार उल्लेख किया जाए।

सेवा/पद के समूह या समूहों यथा सिविल इंजीनियरी, यांत्रिक इंजीनियरी, वैद्युत् इंजीनियरी तथा इलेक्ट्रानिकी और दूर संचार इंजीनियरी (देखिए नियमावली की प्रस्तावना) में सम्मिलित जिन सेवाओं/पदों के लिए उम्मीदवार परीक्षा में बैठ रहा है उनके संबंध में उम्मीदवार द्वारा इंगित वरीयता—परिवर्तन के किसी अनुरोध पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक कि इस प्रकार के परिवर्तन से संबद्ध अनुरोध 31 अक्टूबर, 1977 को या उससे पहले संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्राप्त न हो जाए।

ध्यान दें 2 :—उम्मीदवार केवल उन्हीं सेवाओं और पदों के लिए अपनी वरीयता बताएं जिनके लिए वे नियमों की शर्तों के अनुसार पात्र हों और जिनके लिए वे प्रतियोगी हों। जिन सेवाओं और पदों के वे पात्र नहीं हैं और जिन सेवाओं और पदों से सम्बन्धित परीक्षाओं में उन्हें प्रवेश नहीं दिया जाता है उनके बारे में बताई गई वरीयता पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। अतः नियम 5(ख) या 5(ग) या 5(घ) के अधीन परीक्षा में प्रवेश

दिए गए उम्मीदवार केवल उनमें उल्लिखित सेवाओं/पदों के लिए ही प्रतियोगी बनने के पात्र होंगे और अन्य सेवाओं और पदों के लिए उनकी वरीयता पर कोई ध्यान नहीं दिया जाएगा। इसी तरह नियम 6 के परन्तुक के अधीन परीक्षा में प्रवेश दिए गए उम्मीदवारों की वरीयता पर भी केवल उक्त परन्तुक में उल्लिखित पदों के लिए ही विचार किया जाएगा तथा अन्य सेवाओं और पदों के लिए वरीयता, यदि कोई है, पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

4. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से संबद्ध पूर्ण विवरण दो रुपये देकर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को मनीआर्डर द्वारा या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआर्डर/पोस्टल आर्डर के स्थान पर चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन प्रपत्र आयोग के काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। दो रुपये की यह राशि किसी भी हलात में वापस नहीं की जाएगी।

नोट 1—डाक द्वारा आवेदन पत्र और परीक्षा का विवरण मंगाने के लिए किया जाने वाला अनुरोध आयोग के कार्यालय में 4 अप्रैल, 1977 तक पहुंच जाना चाहिए। पर व्यक्तिगत रूप से आयोग के कार्यालय से ये आवेदन-पत्र 11 अप्रैल, 1977 तक मिल सकते हैं।

नोट 2—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र इंजीनियरी सेवा परीक्षा, 1977 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। इंजीनियरी सेवा परीक्षा, 1977 के लिए निर्धारित आवेदन-प्रपत्रों से इतर प्रपत्रों पर प्रस्तुत आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पास 11 अप्रैल, 1977 (11 अप्रैल, 1977 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 25 अप्रैल 1977) को या उससे पूर्व अवश्य पहुंच जाना चाहिए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

आयोग यदि चाहे तो विदेशों में या अंडमान तथा निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवार से इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 11 अप्रैल, 1977 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में या अंडमान तथा निकोबार द्वीपसमूह या लक्षद्वीप में रह रहा था।

6. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को रु० 80.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के मामले में रु० 20.00) का शुल्क भेजना होगा जो कि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली की पार्लियामेंट स्ट्रीट पर स्थित स्टेट बैंक आफ इंडिया पर देय स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में हो।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित शुल्क भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि के कार्यालय में जमा करना होगा ताकि वह "051 लोक सेवा आयोग—परीक्षा शुल्क" के लेखाशीर्ष में जमा हो जाए और आवेदन पत्र के साथ उसकी रसीद लगा कर भेजनी चाहिए।

जिन आवेदन-पत्रों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एक दम अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होता जो मीचे के पैरा 7 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

7. आयोग, यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगलादेश) से भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है या बर्मा से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है या वह एक मूलतः भारतीय व्यक्ति है जो अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है या आने वाला है।

8. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो तो उसे रु० 54.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के मामले में रु० 14.00) की राशि वापस कर दी जाएगी। किन्तु यदि नियम 6 के नीचे नोट 1 की शर्तों के अनुसार परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार का आवेदन-पत्र यह सूचना प्राप्त होने पर अस्वीकार कर दिया जाता है कि वह अर्हक परीक्षा में असफल रहा है अथवा वह उपर्युक्त नोट के उपबन्धों की अपेक्षाओं

का अन्यथा पालन नहीं कर सकेगा तो वह शुल्क वापसी का हकदार नहीं होगा।

उपर्युक्त उपबन्धित व्यवस्था को छोड़ कर अन्य किसी भी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

9. आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने के बाद उम्मीदवारी की वापसी के लिए उम्मीदवार के किसी प्रकार के अनुरोध पर किसी भी परिस्थिति में विचार नहीं किया जाएगा।

राम स्वरूप गोयल,

उप सचिव,

संघ लोक सेवा आयोग

उपाखण्ड

उम्मीदवारों को अनुदेश

1. उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-पत्र भरने से पहले नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़ कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र भी हैं या नहीं, निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती है।

आवेदन पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहाँ वह परीक्षा देने का इच्छुक है, अंतिम रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से सम्बद्ध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

2. उम्मीदवार को आवेदन-पत्र तथा पावती कार्ड अपने हाथ से ही भरने चाहिए। अधुरा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

सभी उम्मीदवारों को, चाहे वे पहले से सरकारी नौकरी में हों या सरकारी औद्योगिक उपक्रमों में या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में हों या गैर-सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों, अपने आवेदन पत्र आयोग को सीधे भेजने चाहिए अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचा हो तो उस आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को आखिरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से सरकारी नौकरी में, स्थायी या अस्थायी हैसियत से काम कर रहे हों या किसी काम के लिए विशिष्ट रूप से नियुक्त कर्मचारी हों जिसमें आकस्मिक या दैनिक दर पर नियुक्त व्यक्ति शामिल नहीं है, उनको इस परीक्षा में अंकित रूप में प्रवेश पाने के पहले अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष की अनुमति प्राप्त करनी चाहिए। उनको चाहिए कि वे अपने आवेदन-पत्र को, उसके अंत में सलग्न प्रमाणपत्र की दो प्रतियां निकाल कर, आयोग में सीधे भेज दें और प्रमाण-पत्र की उन

प्रतियों को तत्काल अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को इस अनुरोध के साथ प्रस्तुत करें कि उक्त प्रमाण-पत्र की एक प्रति विधिवत् भर कर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली को जल्दी से जल्दी और किसी भी हालत में प्रमाण-पत्र को फार्म में निविष्ट तारीख से पहले भेज दी जाए।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रलेख अवश्य भेजने चाहिए :—

- (i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक ड्राफ्ट (देखिए नोटिस का पैरा 6)।
- (ii) आयु के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (iv) उम्मीदवार के हाल ही के पास पोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां।
- (v) जहां लागू हो वहां अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4)।
- (vi) जहां लागू हो वहां आयु/शुल्क में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 5 तथा 6)।

नोट :— उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्रों के साथ उपर्युक्त मद (ii), (iii), (v) और (vi) में उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतियां ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा अभिप्रमाणित हों अथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही प्रमाणित हों। परिणाम संभवतः दिसम्बर 1977 में घोषित किए जाएंगे। जो उम्मीदवार परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम के आधार पर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें उपर्युक्त प्रमाण पत्र मूल रूप में प्रस्तुत करने होंगे। उन्हें अपने मूल प्रमाण-पत्र साक्षात्कार के समय प्रस्तुत करने के लिए तैयार रखने चाहिए। जो उम्मीदवार उस समय अपेक्षित प्रमाण-पत्र मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करेंगे उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उनका आगे विचार किए जाने का दावा स्वीकार नहीं होगा।

उपर्युक्त मद (i) से (iv) तक में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिए गए हैं और मद (v) और (vi) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण पैरा 4, 5 और 6 में दिए गए हैं :—

- (i) (क) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर—प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः रेखांकित होना चाहिए और उस पर

“सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय” लिखा जाना चाहिए।

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को यह अवश्य नोट कर लेना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर न तो रेखांकित किए गए हों और न ही सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के जनरल डाकघर पर देय हों, उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

(ख) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट

बैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी शाखा से प्राप्त किया जाए और वह सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक आफ इंडिया, पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली में देय हो तथा विधिवत् रेखांकित किया गया हो।

किसी अन्य बैंक में देय ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

(ii) आयु का प्रमाण-पत्र :—आयोग सामान्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण पत्र या किसी विश्वविद्यालय द्वारा संग्रहित मैट्रिक पास छात्रों के रजिस्टर के उद्धरण में दर्ज की गई हो और वह उद्धरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो। जिस उम्मीदवार ने उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसके समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र या समकक्ष प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

अनुदेशों के इस भाग में आए मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित है।

कभी कभी मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या पूरे वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस संस्था के हैडमास्टर/प्रिंसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की क अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से उसने मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण पत्र में उस संस्था के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुदेशों में निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में लिखी जन्म की तारीख मैट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में दी गई जन्म की तारीख से भिन्न हो और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन पत्र रद्द किया जा सकता है।

नोट 1—जिम उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो, उसे केवल आयु से संबद्ध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

नोट 2—उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि उसके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने और आयोग द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी अगली परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।

(iii) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र— उम्मीदवार को एक ऐसे प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि अवश्य भेजनी चाहिए जिससे कि इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 6 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी (अर्थात् विश्वविद्यालय या किसी अन्य परीक्षा निकाय) का होता चाहिए जिसने उसे योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण अवश्य बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता से संबद्ध अपने दावे की पुष्टि में किसी अन्य प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए। आयोग इस साक्ष्य पर उसकी गुणवत्ता के आधार पर विचार करेगा, किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं होगा।

आयोग को अपना आवेदन-पत्र भेजते समय यदि किसी उम्मीदवार के पास नियम 6 में निर्धारित डिग्री न हो तो उसे नीचे नोट 1 के अधीन दिए गए प्रमाण-पत्र के प्रपत्र के पैरा 1 में निर्धारित प्रपत्र में संबद्ध कालेज/विश्वविद्यालय के प्रिंसिपल/रजिस्ट्रार/डीन से लिए गए इस आशय के एक प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए कि उसने अर्हक परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है और डिग्री प्रदान किए जाने के लिए आवश्यक सभी अपेक्षाएं पूरी कर ली हैं।

नोट 1—यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा के लिए शैक्षिक रूप से अर्हता प्राप्त हो जाता है पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है। ऐसे उम्मीदवारों को, यदि अन्यथा पात्र होंगे तो उन्हें परीक्षा में बैठने

दिया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अनंतिम मानी जाएगी और यदि वे अर्हक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हालत में 31-10-1977 तक नीचे निर्धारित प्रपत्र में प्रस्तुत नहीं करते तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है।

अर्हक परीक्षा उत्तीर्णता दर्शाने वाला प्रमाण-पत्र

1. प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी—

सुपुत्र/सुपुत्री* ने—जो इस कालेज के/की* छात्र/छात्रा* हैं—परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है और डिग्री प्राप्त करने के/की* पात्र हो गए/गई* तथा उन्हें—श्रेणी मिली है।

2. प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी*—

सुपुत्र/सुपुत्री*—मास 19 में—द्वारा आयोजित—परीक्षा में बैठने वाले/वाली* हैं बैठे/बैठी* हैं और उक्त परीक्षा के परिणाम की—19 तक घोषित हो जाने की सम्भावना है।

हस्ताक्षर :

पदनाम :

संस्था का नाम :

स्थान :

दिनांक :

*जो लागू न हो उसे कृपया काट दें।

नोट 2—नियम 6 के परन्तुक में उल्लिखित योग्यताओं के साथ परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को संबद्ध कालेज/संस्था/विश्वविद्यालय के प्रिंसिपल/लेडीन से यह दर्शाने वाले प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसमें दिए गए विशेष विषयों में से एक विषय लेकर एम० एस०-सी० डिग्री परीक्षा या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है/परीक्षा दी है।

(iv) फोटोग्राफ— उम्मीदवारों को अपने हाल ही के पास पोर्ट आकार (लगभग 5 से० मी० × 7 से० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए और दूसरी प्रति आवेदन-पत्र के साथ अच्छी तरह नत्थी कर देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्याही से हस्ताक्षर करने चाहिए।

ध्यान दें— उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ ऊपर पैरा 3 (ii), 3 (iii) और 3 (iv) में उल्लिखित प्रलेख आदि में से कोई एक संलग्न न होगा और उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया गया होगा तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अपील नहीं सुनी जाएगी। यदि कोई प्रलेख आवेदन-पत्र के साथ न भेजे गए हों तो उन्हें आवेदन-पत्र भेजने के बाद भी घर

ही भेज देना चाहिए और वे [ऊपर पैरा 3 (iii) के नोट 1 में उल्लिखित स्थिति को छोड़कर] हर हालत में आवेदन पत्र प्राप्त करने के लिए निर्धारित अंतिम तारीख के बाद एक महीने के भीतर आयोग के कार्यालय में पहुंच जाने चाहिए। यदि ऐसा न किया गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

4. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के, जिसमें उसके माता-पिता (या जीवन माता या पिता) ग्राम तौर से रहते हों, जिला अधिकारी या उप-मण्डल अधिकारी या नीचे उल्लिखित किसी अन्य अधिकारी से जिसे संबद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिए गए फार्म में प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए वहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से ग्रामतौर पर रहता है।

भारत सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन-जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म।

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी*
सुपुत्र/सुपुत्री* श्री----- जो गांव/कस्बा*
----- जिला/मंडल*----- राज्य
संघ/संघ* राज्य और क्षेत्र----- के/की*
निवासी हैं ----- जाति/जन जाति*
के/की* है जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति*
अनुसूचित* जन जाति के रूप में मान्यता दी गई है :—

संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश, 1950.*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) आदेश, 1950.*

संविधान (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र)
आदेश, 1951*.

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य-क्षेत्र)
आदेश, 1951*.

अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां सूची (आशोधन) आदेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 द्वारा यथा संशोधित)।

संविधान जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जातियां
आदेश, 1956*.

संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित
जन जातियां आदेश, 1959*.

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित
जातियां आदेश, 1962*.

संविधान (दादरा नागर हवेली) अनुसूचित जन
जातियां आदेश, 1962*.

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश,
1964*.

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश)
आदेश, 1967*.

संविधान (गोआ, दमन और दियु) अनुसूचित जातियां
आदेश, 1968*.

संविधान (गोआ, दमन और दियु) अनुसूचित जन
जातियां, आदेश, 1968*.

संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित जन जातियां आदेश,
1970*.

2. श्री/श्रीमती/कुमारी*-----और/या* उनका
परिवार ग्राम तौर से गांव/कस्बा*-----जिला/
मंडल*-----राज्य* संघ/राज्य क्षेत्र-----में
यहते/रहती है।*

हस्ताक्षर-----

*पदनाम-----

(कार्यालय की मोहर सहित)

स्थान-----

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र

तारीख-----

*जो शब्द लागू न हो उन्हें कृपया काट दें।

नोट :—यहां प्रयुक्त 'ग्राम तौर से रहते/रहती है' का
अर्थ वही होगा जो 'रिप्रेजेंटेशन आफ दि पिपुल ऐक्ट, 1950'
की धारा 20 में है।

**जाति/जन जाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम
अधिकारी।

(i) जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/क्लैक्टर/
डिप्टी कमिशनर/एडीशनल डिप्टी कमिशनर/डिप्टी
क्लैक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी
मैजिस्ट्रेट/+मब-डिवीजनल +मैजिस्ट्रेट/ताल्लुक मैजि-
स्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेंट कमिशनर।
+ (प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट से कम ओहदे का
नहीं)।

(ii) चीफ प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/एडीशनल चीफ प्रेसिडेन्सी
मैजिस्ट्रेट/प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट।

- (iii) रेवेन्यू अफसर जिसका ओहदा तहसीलदार से कम न हो।
- (iv) उस इलाके का सब-डिवीजनल अफसर जहाँ उम्मीदवार और या उसका परिवार आमतौर से रहता हो।
- (v) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेवलपमेंट अफसर, लक्षद्वीप।

5. (i) नियम 5 (ड) (ii) या 5 (ड) (iii) के अंतर्गत निर्धारित आयु सीमा में छूट का दावा करने वाले और/या उक्त नोटिस के पैराग्राफ 7 के अधीन शुल्क से छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के दौरान प्रजनन कर भारत आया है:—

- (1) दंडकारण्य परियोजना के द्वाजित केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित राहतशिविरों के कैम्प कमांडेंट।
- (2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट, जहाँ वह इस समय निवास कर रहा है।
- (3) अपने-अपने जिलों में शरणार्थी पुनर्वास के प्रभारी अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट।
- (4) स्वयं प्रभारित सब-डिवीजन का सब-डिवीजनल अफसर।
- (5) उप शरणार्थी पुनर्वास आयुक्त, पश्चिम बंगाल/निदेशक (पुनर्वास) कलकत्ता।

(ii) नियम 5 (ड) (iv) अथवा 5 (ड) (v) के अंतर्गत निर्धारित आयु में छूट का दावा करने वाले और/या उक्त नोटिस के पैराग्राफ 7 के अधीन शुल्क में छूट का दावा करने वाले श्रीलंका से प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाले मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिए गए इस आशय के प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्टूबर, 1964, के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है या आने वाला है।

(iii) नियम 5 (ड) (vi) अथवा 5 (ड) (vii) के अंतर्गत निर्धारित आयु सीमा में छूट का दावा करने वाले और/या उक्त नोटिस के पैराग्राफ 7 के अधीन शुल्क से छूट का दावा करने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास, रंगून द्वारा दिए गए पहिचान प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि

यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा उसे जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है।

(iv) नियम 5 (ड) (viii) अथवा 5 (ड) (ix) के अंतर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विक्लांग हुआ है, महानिदेशक पुनः स्थापन, रक्षा मंत्रालय से निम्नलिखित निर्धारित फार्म पर इस आशय का एक प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विक्लांग हुआ और परिणाम स्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म:—

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट.....
के रैंक नं०.....
श्री.....
रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में / अशांतिग्रस्त* क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विक्लांग हुए और उस विक्लांगता के परिणाम-स्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर*.....
पदनाम.....
दिनांक.....

*जो शब्द लागू न हो उसे कृपया काट दें।

(v) नियम 5 (ड) (x) अथवा 5 (ड) (xi) के अंतर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले उम्मीदवार को, जो सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए विक्लांग हुआ है महानिदेशक, सीमा सुरक्षा दल, गृह मंत्रालय से नीचे निर्धारित फार्म पर लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान विक्लांग हुआ और परिणाम स्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म।

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट.....
के रैंक नं०.....
सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए सन् 1971 के भारत-पाक

पाक संघर्ष के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणाम-स्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर
पदनाम
तारीख

6. जो उम्मीदवार ऊपर पैरा 5 (i), (ii) और (iii) में से किसी भी वर्ग के अन्तर्गत नोटिस के पैरा 7 के अनुसार शुल्क में छूट का दावा करता है, उसको किसी जिला अधिकारी या सरकार के राजपत्रित अधिकारी या संसद सदस्य या राज्य विधान मंडल के सदस्य से, यह दिखलाने के लिए कि वह निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है, इस आशय का एक प्रमाणित पत्र लेकर उसकी अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी होगी।

7. जिस व्यक्ति के लिए पात्रता-प्रमाण-पत्र आवश्यक हो, तो उसे अभीष्ट पात्रता प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए भारत सरकार के रेल/निर्माण और आवास/रक्षा/ऊर्जा/कृषि और सिंचाई/संचार/उद्योग और नागर पूर्ति/पूर्ति और पुनर्वास/इस्पात और खान/जहाजराजी और परिवहन/सूचना और प्रसारण/पर्यटन और सिविल विमानन मंत्रालय को आवेदन करना चाहिए।

8. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई झूठा ब्योरा न दें अथवा किसी महत्वपूर्ण सूचना को न छिपाएं।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत किए गए किसी प्रलेख अथवा उसकी प्रति की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें न उस में परिवर्तन करें और न कोई फेर बदल करें और न ही कोई फेर बदल किए गए/झूठे प्रलेख प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या इससे अधिक प्रलेखों या उनकी प्रतियों में कोई अशुद्धि अथवा विसंगति हो तो विसंगति के संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

9. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-प्रपत्र ही अमुक तारीख को भेजा गया था। आवेदन-पत्र को भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि आवेदन-प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

10. यदि परीक्षा से संबंधित आवेदन-पत्रों की प्राप्ति की आखिरी तारीख से एक महीने के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र की पावती न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिए आयोग से तत्काल संपर्क करना चाहिए।

11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा।

यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

12. जिन पुस्तिकाओं में नियमावली तथा पिछली पांच परीक्षाओं के प्रश्न-पत्रों का ब्योरा सम्मिलित होता है, उनकी बिक्री प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली-110006 के द्वारा की जाती है और उन्हें वहां से मेल आर्डर अथवा नकद भुगतान द्वारा सीधे प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किताब महल, रिबोली सिनेमा के सामने एम्पोरिया बिल्डिंग, "सी" ब्लाक, बाबा खड़क सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001 और (ii) प्रकाशन शाखा के बिक्री काउंटर उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 और कार्यालय, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 और (iii) गवर्नमेंट आफ इंडिया बुक डिपो, 8 के० एस राय रोड, कलकत्ता, 1, से भी केवल नकद पैसा देकर खरीदा जा सकता है। ये पुस्तिकाएं विभिन्न मुक्तिरसल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती हैं।

13. आवेदन-पत्रों से संबंधित पत्र-व्यवहार :—आवेदन पत्रों से संबंध सभी पत्र आदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, शाहजहां रोड, नई दिल्ली-110011 को भेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा ब्योरा अनिवार्य रूप से दिया जाए :—

- (i) परीक्षा का नाम
- (ii) परीक्षा का महीना और वर्ष
- (iii) उम्मीदवार का रोल नम्बर अथवा जन्म की तारीख, यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया है।
- (iv) उम्मीदवार का नाम (पूरा अथवा बड़े अक्षरों में)
- (v) आवेदन-पत्र में दिया गया पत्र-व्यवहार का पता।

ध्यान दें :—जिन पत्रों आदि में यह ब्योरा नहीं होगा, संभवतः उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

पते में परिवर्तन :—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पैरा 13 में उल्लिखित ब्योरे के साथ, यथाशीघ्र दी जानी चाहिए। यद्यपि आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा प्रयत्न करता है किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेवारी स्वीकार नहीं कर सकता।

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 3rd February 1977

No. F.6/77-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to promote and appoint Mrs. Swaran Bali, Senior Assistant Librarian as Officiating Librarian with effect from 2 February 1977, until further orders.

R. SUBBA RAO
Deputy Registrar (Admn.)

CABINET SECRETARIAT
(DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMINISTRATIVE REFORMS)

SUBORDINATE SERVICES COMMISSION
NOTICE
INSPECTORS OF INCOME-TAX, CENTRAL EXCISE,
ETC. EXAMINATION, 1977

New Delhi, the 26th February 1977

No. 9/1/77-E.I.—The Subordinate Services Commission, New Delhi, will hold on 25th and 26th September, 1977, at AGARTALA, AHMEDABAD, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, IMPHAL, JAIPUR, JAMMU, MADRAS, NAGPUR, PATIALA, PATNA, RAIPUR, RANCHI, SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR, TRIVANDRUM, UDAIPUR AND VISAKHAPATNAM a combined competitive examination for recruitment to temporary vacancies in the posts of :—

- (i) Inspector of Income-tax in different Charges of Commissioners of Income-tax;
- (ii) Inspector of Central Excise in different Collectorates of Central Excise;
- (iii) Examiner (Ordinary Grade) in different Customs Houses;
- (iv) Preventive Officer (Ordinary Grade) in different Customs Houses;
- (v) Inspector of Narcotics in the Offices under the Narcotics Commissioner, Gwalior;
- (vi) Inspector of Salt under the Salt Commissioner's Office, Jaipur (Under the Ministry of Industry);
- (vii) Assistant Enforcement Officer under Enforcement Directorate, Department of Personnel & Administrative Reforms;
- (viii) Posts in other offices of Government of India equivalent, comparable to posts mentioned at item (i) to (vii) above and for which age and educational requirements are same as mentioned in para 2 below; and
- (ix) Posts of Upper Division Clerk or equivalent/comparable posts in Subordinate Offices of Government of India for which age and educational requirements are same as mentioned in para 2 below.

2. *Conditions of Eligibility.*—(a) *Age Limits:* Candidates must be between 18—25 years of age on 1st January, 1977. Upper age limit relaxable for Scheduled Castes, Scheduled Tribes, Ex-Servicemen and certain other specified categories, including certain categories of State Government employees and departmental candidates.

(b) *Qualifications.*—Bachelor's Degree of recognised University or equivalent.

For posts of Inspector of Salt, candidate should possess Bachelor's Degree with Chemistry as one of the subjects.

3. *Pay Scale.*—For posts mentioned at items (i) to (iv) of para 1 above.—Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-700-FB-25-800; for posts mentioned at items (v) and (vi) Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-700; for posts mentioned at item (vii) Rs. 425-15-530-FB-15-560-20-600; and for posts of Upper Division Clerk mentioned at item (ix) Rs. 323-10-380-EB-12-500-EB-15-560.

4. *Scheme of Examination.*—The examination will consist of two parts viz., Written Examination and Personality Test. The subjects of the Written Examination will be General Studies, English Language and Arithmetic.

5. *Knowledge of Regional Language.*—Possession of working knowledge of regional language of area pertaining to Charge/Formation/Region etc. in which candidate wishes to be appointed will be desirable.

6. *Fee.*—Rs. 28/- (Rs. 7/- for Scheduled Castes/ Scheduled Tribes). No fee for Ex-Servicemen.

7. *Information for Candidates* containing full particulars about examination and application form obtaining from Secretary, Subordinate Services Commission, West Block No. 1, Post Bag No. 2, R. K. Puram, New Delhi-110022, from 26-2-77 up to 18-4-77 by remitting Re. 1/- (Rs. 2/- if application form desired to be despatched by Recorded Delivery System) by means of crossed Indian Postal Orders payable to the Subordinate Services Commission at NEW DELHI POST OFFICE, New Delhi, along with three slips showing the candidate's name and postal address in block letters. Application forms can also be had in person on cash payment of Re. 1/- at the Commission's Office from 26-2-77 upto 25-4-77.

Although main source from which application forms can be obtained is Subordinate Services Commission at New Delhi, these can also be had on payment of Re. 1/- in cash in person from 5-3-77 up to 18-4-77 from Offices of Commissioner of Income-tax at following places :—

AGRA, AHMEDABAD, ALLAHABAD, AMRITSAR, BANGALORE, BHOPAL, BHUBANESHWAR, BOMBAY, CALCUTTA, DELHI, ERNAKULAM, HYDERABAD, JAIPUR, JODHPUR, JULLUNDUR, KANPUR, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PATIALA, PATNA, PUNE AND SHILLONG.

If, at any time, any of these Offices runs out of stock of application forms, the candidate may obtain them from the Commission direct.

Forms also obtainable up to 25-4-77 against cash payment from following :—

1. The Kitab Mahal, State Emporia Building, Baba Kharak Singh Marg, New Delhi-110001.

2. Controller of Publications, Department of Publications, Ministry of Works & Housing, Behind Old Secretariat, Civil Lines, Delhi.

8. Applications must reach the Commission by 25-4-77 (9-5-77 for candidates residing in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep). APPLICATIONS RECEIVED AFTER THAT DATE WILL NOT BE ENTERTAINED.

MADAN LAL
Secretary
Subordinate Services Commission

LAL BAHADUR SHASTRI NATIONAL ACADEMY OF
ADMINISTRATION

Mussoorie, the 17th January 1977

No. 7/2/73-EST.—Shri T. R. Suri, an officiating Accounts Officer in the Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie is confirmed in that capacity with effect from 17th August 1976.

S. N. SETH,
Assistant Director

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DIRECTORATE GENERAL, C.R.P. FORCE

New Delhi-110001, the 3rd February 1977

No. O.II-915/73-Estt.—The President is pleased to accept the resignation tendered by Dr. Nand Kishore Mathur, JMO, 31st Bn., C.R.P.F. with effect from the afternoon of 18th December 1976.

No. F.5/8/74-Estt(Pt.II).—The President is pleased to appoint Lt. Col. R. L. Sircar (Retd.) as Commandant in the Central Reserve Police Force with effect from 12th January 1977.

No. O.II-1042/76-Estt.—The Director General, C.R.P.F. is pleased to appoint Dr. Nibaran Mohanty, as Junior Medical Officer in the CRPF on an *ad-hoc* basis wef, 13th January 1977 (FN) for a period of 3 months only or till recruitment to the post is made on regular basis whichever is earlier.

No. O.II 1052/77-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Shatanjay Gupta, as General Duty Officer, Grade-I (Assistant Commandant) in the C.R.P.F. in a temporary capacity with effect from the forenoon of 17th January 1977 until further orders.

The 5th February 1977

No. O.II-1050/76-Estt.—The President is pleased to appoint the following doctors as General Duty Officer, Grade-II (Dy. SP/Coy. Comdr) in the CRP Force in a temporary capacity until further orders.

2. They are posted to the Bn/GC mentioned below and have taken over charge of their post on the dates noted against each :—

S. No.	Name, Bn/GC to which posted	Date of taking over charge
1.	Dr. P. R. Subramanian,	12th Bn., 14-12-76 (F.N.).
2.	Dr. (Mrs.) Sharada Sirohi, GC. Guhati,	24-12-76 (F.N.).

A. K. BANDYOPADHYAY,
Asstt. Director (Adm.)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 2nd February 1977

No. 68018(2)/71-AN-II.—The President is pleased to appoint Shri P. R. Sivasubramanian, an officer of the Indian Defence Accounts Service [on deputation to Ministry of Finance (Defence Division) as D.F.A.] to officiate in the Junior Administrative Grade (Rs. 1500—60—1800—100—2000) of that Service with effect from 5th January 1977 (F.N.), until further orders, under the "Next Below Rule".

The 3rd February 1977

No. 18058/AN-II.—On attaining the age of 58 years Shri P. C. Khanna, an officer of the Indian Defence Accounts Service was transferred to the Pension Establishment and struck off the strength of the Department with effect from 31st December 1976 (AN).

P. K. RAMANUJAM,
Addl. Controller General of Defence Accounts (Admn.)

MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 7th February 1977

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

No. 6/1024/74-Admn(G)/989.—On attaining the age of superannuation Shri Jagan Nath an officer officiating in the 10—476GI/76

Section Officer's Grade of the CSS relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in this office on the afternoon of 31st December 1976.

No. 6/113/54-Admn(G)/1056.—On attaining the age of superannuation, Shri K. G. Narainsinghani, officiating Joint Chief Controller of Imports and Exports in this office relinquished charge of that post on the afternoon of 31st January 1977.

A. S. GILL,
Chief Controller of Imports and Exports

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay, the 3rd February 1977

No. CER/10/77.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 20 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. 9(9)/TEX-1/49, dated the 15th April 1950, namely :—

In the said Notification—

After direction 11, the following direction shall be added, namely :—

"12. (1) No producer shall produce any cotton crepe fabric.

Explanation : For the purpose of this direction, 'Cotton Crepe fabric' means, any fabric of plain weave made out of very high twisted single yarn whether or not in combination with yarn having normal twist but of coarser count than the body yarn to produce corded effect and when the fabric after treatment or finishing produces puckered or crinkled effect."

(2) This Notification shall come into force from the first day of March, 1977 and shall be in force till the 31st day of March 1979.

G. S. BHARGAVA,
Joint Textile Commissioner

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
ADMN. SEC. A-6

New Delhi, the 7th February 1977

No. A-17011/111-A6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed on *ad-hoc* basis Shri S. P. Gupta, permanent Examiner of Stores (Engg.) in the N.I. Circle, New Delhi to officiate as Asstt. Inspecting Officer (Engg.) in the Calcutta Inspectorate under this Directorate General w.e.f. the forenoon of 14th January 1977 until further orders.

SURYA PRAKASH,
Dy. Director (Administration)
for Director General of Supplies and Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES
(DEPARTMENT OF MINES)
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 2nd February 1977

No. 2222(SKG)/19A.—Shri Subir Kumar Ghosh, Senior Technical Assistant (Geology), Geological Survey of India is appointed as an Assistant Geologist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 15th December 1976, until further orders.

The 3rd February 1977

No. 3(5)/71(JP)/19B.—Shri Jagdish Prasad, M.Sc. is appointed as Assistant Geophysicist (Instrumentation) in the Geological Survey of India on pay according to rules in the

scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 3rd December 1976, until further orders.

No. 3(5)/71(AK)/19B.—Shri Asok Ranjan Kumar, M. Tech., Assistant Geophysicist, Geological Survey of India, is appointed as Assistant Geophysicist (Instrumentation) in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 1st December 1976, until further orders.

No. 30/75/19C.—Shri V. K. Anand, Geologist (Junior) is declared quasi-permanent in the grade of Assistant Geologist (Group 'B' Scale of pay Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- revised) with effect from 5th March 1971 in the Geological Survey of India.

V. K. S. VARADAN,
Director General,
Geological Survey of India

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 3rd February 1977

No. A.19011(178)/75-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri B. B. Rao to the post of Assistant Controller of Mines in an officiating capacity with effect from the afternoon of 20th January 1977, until further orders.

L. C. RANDHIR,
Administrative Officer
for Controller

SURVEY OF INDIA SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 2nd February 1977

No. C-5183/718-A.—Shri N. R. Bose, Officiating Office Superintendent (Scale of pay Rs. 700—900) is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (GCS Group 'B' posts) in Eastern Circle Office, Survey of India, Calcutta on an *ad-hoc* basis on pay of Rs. 840/- p.m. in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 3rd January 1977 (FN).

K. L. KHOSLA, Maj.-General
Surveyor General of India

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 3rd February 1977

No. 28-8/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri N. Naganathan, Junior Bacteriologist, National Tuberculosis Institute, Bangalore to the post of Bacteriologist in the same Institute, with effect from the forenoon of 7th January 1977, on an *ad-hoc* basis, and until further orders.

The 5th February 1977

No. A.12023/15/76(HQ)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint following persons to the posts of Assistant Architect in the Directorate General of Health Services with effect from the dates shown against their names, on an *ad-hoc* basis and until further orders :—

1. Shri J. K. Sikka, 31st December 1976 (A.N.).
2. Shri B. H. Ahuja, 10th January 1977 (F.N.).
3. Shri Satya Pal, 17th January 1977 (F.N.).

The 8th February 1977

No. A.31014/16/76(AIHPH)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri A. K. Adhya in a substantive capacity to the permanent post of Assistant Engineer (PH) at the All India Institute of Hygiene and Public Health Calcutta, with effect from the forenoon of the 5th October 1972.

S. I. KUTHIALA,
Dy. Director Administration (O&M)

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION CENTRAL INSTITUTE OF FISHERIES EDUCATION

Bombay-58, the 2nd February 1977

No. 1-14/76/Estb/654.—The Director, Central Institute of Fisheries Education, Bombay is pleased to appoint Shri K. Vijayakumaran substantively to the permanent post of Demonstrator (Fish Processing) (Group B) at this Institute with effect from 30th June 1973.

Dr. S. N. DWIVEDI,
Director

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Nagpur, the January 1977

No. F.5/11/69-DII.—In exercise of the powers conferred by the Ministry of Finance (Department of Revenue) Notification No. 448, dated the 14th March 1964, I hereby authorise S/Shri P. J. Chimalwar and M. Chakrabarty, Assistant Marketing Officers to issue Certificate of Grading from the date of issue of this notification, in respect of Table Potatoes which have been graded in accordance with the Table Potatoes Grading and Marking Rules, 1964 and export of which is subject to the provisions of the above mentioned notification.

No. F.74/15/72.D.I.—I, J. S. Uppal, Agricultural Marketing Adviser to the Government of India, in exercise of the powers conferred by the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue) Customs Notification Nos. (i) 3184 dated the 28th December 1955, (ii) 83 dated the 29th July 1961, (iii) 3752 dated the 26th December 1955 and (iv) 157 dated the 22nd June 1963 and CSR 904, dated 27th June 1964, hereby authorise S/Shri A. C. Guin and G. H. Dhankar, Assistant Marketing Officers, Wool Bristles and Boat Hair Grading Scheme, Kanpur to sign the Certificates of Grading from the date of issue of this Notification, in respect of Sandalwood oil which are graded in accordance with the Essential Oils Grading and Marking Rules, 1954 as amended from time to time, and the export of which is subject to the provisions of the above mentioned Notifications.

J. S. UPPAL,
Agricultural Marketing Adviser

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 17th January 1977

No. PPED/3(236)/76-Adm./613.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri J. S. Mokha, a temporary Draughtsman 'C' of this Division, as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the same Division, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of August 1, 1976 until further orders.

N. G. PARULEKAR,
Administrative Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay 400 008, the 2nd February 1977

No. HWP/Estt/1/G-39/487.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Yeshwant Purshottam Gharpure, a permanent Upper Division Clerk of Bhabha Atomic Research Centre and officiating Selection Grade Clerk of Heavy Water Projects (Central Office) to officiate as Assistant Personnel Officer in the same office from December 6, 1976 (FN) to January 21, 1977 (AN) vice Shri R. N. Ramchandani, Assistant Personnel Officer, granted leave.

T. C. SATHYAKEETHY,
Senior Adm. Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIAN METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 7th February 1977

No. E(I) 04383.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri P. C. Mukherjee, Professional Assistant, office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of SEVENTYFOUR days with effect from the forenoon of 17-1-77 to 31-3-77.

Shri Mukherjee, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

M. R. N. MANIAN,
Meteorologist,
for Dir. Genl. of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF
CIVIL AVIATION

New Delhi, the 5th January 1977

No. A. 32013/9/76-EC.—The President is pleased to appoint the following Technical Officers to the grade of Senior Technical Officer purely on ad hoc basis upto the 31-12-1976 or till the regular appointments to the grade are made whichever is earlier with effect from the date indicated against each and to post them to the stations indicated against each :

Sl. No.	Name	Present stn. of posting	Date from which taken charge	Station to which posted.
S/Shri				
1.	J. V. Sarma	A. C. S., Belgaum	24-12-76 (F.N.)	Regional Office, Bombay.
2.	V. K. Chaudhary	A. C. S., Calcutta	26-12-76 (F.N.)	ACS, Bombay.
3.	B. N. M. Rao	A. C. S., Madras	29-12-76 (F.N.)	A. C. S., Hyderabad.

S. L. KHANDPUR,
Asstt. Director (Administration)

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 5th February 1977

No. 1/315/77-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri M. V. Rao, Technical Assistant O.C.S., Bombay Branch as Assistant Engineer in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 1-12-76 to 31-12-76 (both days inclusive), against a short-term vacancy.

M. S. KRISHNASWAMY, Adm. Officer,
for Director General

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE
AND CUSTOMS

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Allahabad, the 24th January 1977

No. 1/1977.—Shri R. P. Srivastava, confirmed Inspector (S.G.) posted in the Integrated Divisional Office, Varanasi and appointed to officiate as Superintendent, Central Excise Group 'B' until further orders in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 vide this office Establishment Order No. 301/1976 dated 3-12-76 took over charge

of the office of the Superintendent Group 'E' in the Central Excise Hqrs. Office, Allahabad on 28-12-76 (F.N.).

No. 2/1977.—Shri R. C. Verma, Confirmed Inspector (S.G.) posted in Integrated Divisional Office Sitapur and appointed to officiate as Superintendent Central Excise Group 'B' in the Scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 vide this Office Establishment Order No. 313/1976 dated 7-12-76 issued under endt. C. No. II(3) 56-Estt/76/46905 dated 7-12-76 took over charge of the office of the Superintendent of Central Excise Group 'B' in the Central Excise Hqrs. Office, Allahabad on 15-12-76 (F.N.).

No. 3/1977.—Shri Harnath Singh Officiating Superintendent of Central Excise Group 'B' posted as Superintendent (I.G) in the Central Excise Integrated Divisional Office, Allahabad has retired from Government service in the after-noon of 30-11-1976.

H. N. RAINA, Collector

Kanpur, the 2nd February 1977

No. 20/77.—Consequent upon his promotion to the grade of Superintendent Central Excise, Group 'B' vide collector, Central Excise, Kanpur's Estt. Order No. I/A/319/76 dated 4-11-76 issued under endt. C. No. II-184-ET/76/49186 dated 4-11-76 in the pay scale of Rs. 650-30-740-35810-EB-35-800-40-1000-EB-40-1200. Shri Gyan Swaroop Jauhari took over the charge of Supdt. (Inspection Group) (Ex Shaharanpur) in the forenoon 17-1-77.

Sd./- ILLEGIBLE
Collector

Madurai-2, the 3rd February 1977

No. 1/77.—The following Inspectors of Central Excise (SG), Madurai Collectorate are appointed to officiate until further orders as Superintendents, Group 'B' in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200. They have assumed charge as Superintendents on the dates noted against each :

Sl. No.	Name of the Officer	Place of posting	Date of assumption
S/Shri			
1.	D. S. H. Ponnuraj	Superintendent, Tiruthuraiipoondi Customs Preventive Unit, Nagapattinam Division.	11-1-1977
2.	G. Rajaram	Superintendent, Tiruchy, Tiruchy Division.	17-1-1977
3.	A. Pushparaj	Superintendent, Madurai Customs Division, Madurai.	10-1-1977
4.	K. V. Ganesan	Superintendent, Headquarters Office, Madurai.	10-1-1977

No. 2/77.—The following Office Superintendent is appointed to officiate until further orders as Administrative Officer in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200. He has assumed charge as Administrative Officer on the date noted against him.

Sl. No.	Name of the Officer	Place of posting	Date of assumption
1.	Shri A. V. Somasundaram	Administrative Officer, Trichy Division.	22-1-1977

M. S. SUBRAMANYAM
Collector

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 18th January 1977

No. A-19012/580/76-Adm.V.—Consequent upon his selection by the Union Public Service Commission, the Chairman, Central Water Commission, hereby appoints Shri Soma Pandu Khandare to the post of Assistant Research Officer (Engineering-Telecommunication) at the Central Water and Power Research Station, Pune, in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of January 7, 1977.

Shri Soma Pandu Khandare will be on probation for a period of two years with effect from the same date viz. 7/1/1977.

JASWANT SINGH, Under Secy.
for Chairman

NORTH-EAST FRONTIER RAILWAY

Pandu, the 3rd February 1977

No. E/55/III/93 Pt. II(O).—The following Officers are confirm in Class II service as Assistant Mechanical Engineer with effect from the date noted against each:

Sl. No., Name and Date from which confirmed

1. Shri D. Sarkar, 1-3-1974.
2. Shri S. R. Sen Gupta, 1-7-1975.

G. H. KESHWANI, General Manager.

MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION
DEPARTMENT OF REHABILITATION
REHABILITATION RECLAMATION ORGANISATION

Jeypore, the 1st February 1977

No. P.2/97-3618P.—In continuation of this office Notification No. P. 2/97 dated 30-11-76, the appointment of Shri Raja Ram Balaiya as Assistant Administrative Officer (Group-B—Gazetted) in the scale of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 in Rehabilitation Reclamation Organisation posted in Shahpura, District Betul (M.P.) on *ad hoc* basis is extended for a further period of 3 months i.e. with effect from 1-2-77 to 30-4-77 or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

M. PATTANAIK,
Lt. Col. (Retd.)
Chief Mechanical Engineer

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Doors and Windows Pvt. Ltd.*

Gujarat, the 2nd February 1977

No. 1053/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Doors and Windows Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

J. G. GATHA,
Registrar of Companies, Gujarat

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Sri Muthulakshmi Private Ltd.*

Madras, the 1st February 1977

No. DN/5017/560(3)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Sri Muthulakshmi Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Sri Ram Screw and Metal Industries Private Limited*

Madras-600 006, the 1st February 1977

No. 3654/560(5)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of M/s Sri Ram Screw and Metal Industries Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

K. PANCHAPAKESAN,
Asstt. Registrar of Companies Tamil Nadu

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

New Delhi, the 1st February 1977

INCOME-TAX

F. No. JUR-DLI/III/76-77/15684.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax Delhi-IV, New Delhi hereby directs that the following Income-tax District/Circle shall stand abolished w.e.f. 1-2-1977.

1. Special Circle-IX, New Delhi.

F. No. JUR-DLI/III/76-77/15584.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax Delhi-IV, New Delhi hereby directs that the following Income-tax District/Circle shall stand abolished w.e.f. 1-2-1977.

1. Special Circle-V, New Delhi.

N. S. RAGHAVAN,
Commissioner of Income-tax,
Delhi-IV, New Delhi

New Delhi, the 1st February 1977

No. JUR/DLI/II/76-77/15484.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) and in partial modification of the order No. JUR/DLI/II/76-77/43305 dated 17-1-1977 on the subject, the Commissioner of Income tax, Delhi-II, New Delhi hereby directs that the Income-tax Officer mentioned in column 2 of the Schedule herein below shall perform their functions in respect of persons or classes of persons, incomes or classes of income and cases or classes of cases specified in column 3 of the said schedule other than the persons or classes of persons, income or classes of cases which have been assigned or may

hereafter be assigned u/s 127 of the said Act to any other Income-tax Officer.

SCHEDULE

Sl. No.	Designation of the I.T.O.	Jurisdiction
1	2	3
1.	Income-tax Officer, Distt. VI(1), New Delhi	<p>(a) All persons or classes of persons income or classes of income, cases and classes of cases other than those falling in the jurisdiction of the Income-tax Officer, Distt. VI(6), New Delhi where names commence with letters 'A' to 'R' (both inclusive) of the alphabet.</p> <p>(b) All persons being partners of the firms falling in item (a) above.</p>

1	2	3
2.	Income tax Officer, Distt. VI (1) (Addl.) New Delhi.	<p>(a) All persons or classes of persons or classes of income and cases or classes of cases other than those falling in the jurisdiction of the Income-tax Officer Distt. VI (1) and VI(6), New Delhi where names commence with letters 'S' to 'Z' (both inclusive) of the alphabet.</p> <p>(b) All persons being partners of the firms falling in item (a) above.</p>

This order shall take effect from 1-2-1977.

JAGDISH CHAND,
Commissioner of Income-tax,
Delhi-II, New Delhi

FORM ITNS—

(1) S/Shri Kishanchand Fatumal Dhanjani, Nurlidhar Kishanchand Dhanjani & Ashok Kishanchand Dhanjani.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Surendrakumar H. Vaish
(Transferor)
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II, SMT. KGMP AYURVED
HOSPITAL BLDG. 5TH FL. NETAJI SUBASH ROAD,
BOMBAY-400002*Bombay-400002, the 7th February 1977*

Ref. No. A.R.II/2320-1/June-76.—Whereas, I, M. J. MATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 66 of main Plot No. 9/2 City Survey No. 70 C.T.S. No. 673 situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 25-6-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of lease-hold land or ground situate lying and being at Juhu-Vile-Parle Development Scheme (South of Irla Nala) in Sub-District and district Bombay City and Bombay Suburban in Greater Bombay and in the Registration Sub. District of Bandra being part of Survey No. 70 bearing C.T.S. No. 673 of Juhu village admeasuring 800.00 sq. yards equivalent to 668.88 square metres or thereabout and bearing Sub-Plot No. 66 in the Estate of the Nutan Laxmi Co-op. Hsg. Society Limited and bounded as follows :— that is to say on or towards the EAST by forty feet Road; on or towards the WEST by Plot No. 54; on or towards the NORTH by Plot No. 67 and on or towards the SOUTH by Plot No. 65.

M. J. MATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Bombay

Date : 7th February 1977.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Amarjit Kaur w/o Shri Ajit Singh R/o Hukam Singh Road; Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 27th January 1977

Ref. No. ASR/121/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/3rd portion of Kothi No. 59 situated at Hukam Singh Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amritsar in September 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(2) Shri Joginder Singh S/o Shri Lachhman Singh R/o 59 Hukam Singh Road, Amritsar.

(Transferee)

"(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any (Person in occupation of the property).

"(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd portion of Kothi No. 59 Hukam Singh Road, Amritsar as mentioned in the registered Deed No. 654 of September 1976 of the registering authority, Amritsar.

V. R. SAGAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Amritsar

Date : 27-1-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 7th February 1977

Ref. No. **BTD/125/76-77**.—Whereas, **I. V. R. SAGAR** being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part situated at Guniana Road (Near State Bus Stand) Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda, July on 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) **Shri Prem Chand S/o Shri Tilak Ram C/o M/s Aggarwal Textile, Gandhi Market, Bhatinda.**
(Transferor)
- (2) **Shri Harbachan Lal S/o Shri Jagan Nath c/o M/s Barnala Engineering Store, Guiana Road, Bhatinda.**
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any (Person in occupation of the property).

(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interestd in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of shop plot on Guniana Road, (Near State Bus Stand) Bhatinda as mentioned in the registered Deed No. 1891 of July 1976 of Registering Authority Bhatinda.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 7-2-1977.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 7th February 1977

Ref. No. BTD/124/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part situated at Guniana Road, (Near State Bus Stand) Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda, on July 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:

11—476GI/76

(1) Shri Gian Chand S/o Shri Tilak Ram C/o M/s Aggarwal Textile, Gandhi Market, Bhatinda.
(Transferor)

(2) Shri Harbachan Lal S/o Shri Jagan Nath C/o M/s Barnala Engineering Store, Guniana Road, Bhatinda.
(Transferee)

* (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any (Person in occupation of the property).

* (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Part of shop plot on Guniana Road (Near State Bus Stand) Bhatinda as mentioned in the registered Deed No. 1890 of July 1976 of the registering Authority, Bhatinda.

V. R. SAGAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 7-2-1977.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 7th February 1977

Ref. No. PHG./122/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land 2 Kanals situated at G.T. Road, Phagwara Garbi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Phagwara, on June 1976.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Mohan Singh S/o Shri Hardit Singh Goraya
C/o M/s Hardit Sons Engineering Corporation
G. T. Road, Goraya.

(Transferor)

(2) Shri Om Parkash S/o Shri Mohan Lal Uppal, Phagwara C/o M/s Bharti Engineering Corporation 32-Industrial Area Phagwara.

(Transferee)

*(3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any (Person in occupation of the property).

*(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 Kanals on G. T. Road Phagwara as mentioned in the Registered Deed No. 290 of June 1976 of Registering Authority Phagwara.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range, Amritsar

Date : 7-2-1977.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 7th February 1977

Ref. No. Phg/123/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

land 2 canals situated at G.T. Road Phagwara Garlu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on 25-5-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Harbhajan Singh,
Shri Sajjan Singh,
Smt. Puran Kaur Widow
Smt. KIWANT Kaur,
Smt. Mohinder Kaur and
Smt. Jagdish Kaur
Ds/o Shri Kirpal Singh Goraya
C/o M/s. Mohan Singh Harbhajan Singh,
G.T. Road, Goraya.

(Transferor)

(2) Shri Om Parkash
S/o Shri Mohan Lal Uppal, Phagwara
C/o M/s. Bharti Engineering Corporation,
32-Industrial Area, Phagwara.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 canals on G.T. Road Phagwara as mentioned in the Registered Deed No. 289 of June 1976 of Registering Authority Phagwara.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 7-2-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) The Balrampur Sugar Co. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Balrampur Chini Mills Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

(3) Balrampur Chini Mills Ltd.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Lucknow, the 7th February 1977

Ref. No. 76-B/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of 45.95 Acres with factory building together with the situated at village Bishunipur Pargna Balrampur and Intiathok Distt. Gonda and Parsa Sonharsa Distt. Gonda Railway siding (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gonda on 23-7-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A land measuring 45.95 Acres with factory building having Godowns, Bungalows, Quarters, Canteen, School, Club, Stores, Room etc., together with Railway siding situated at village Bishunipur Pargna Balrampur and intiathok Distt. Gonda and Parsa Sonharsa Distt. Gonda.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

A. S. BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 7-2-1977
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Janak Chopra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Vijendra Nath Wadhray.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Smt. Janak Chopra.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 7th February 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. 31-V/Acq.—Whereas, I, A.S. BISEN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing A single storeyed building with land situated at Civil Lines, Faizabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faizabad on 18-6-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

A single storeyed building with land No. 719/4 situated at Moh. Civil Lines, Faizabad.

A. S. BISEN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 7-2-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ramesh Chandra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shyam Lal & others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Shri Ramesh Chandra.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Lucknow, the 7th February 1977

Ref. No. 141-S/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN,
being the competent authority under section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

A house situated Teh Kashipur, Distt. Nainital
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Kashipur on 16-6-76

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of the
said Act shall have the same meaning as
given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957,
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

THE SCHEDULE

A house measuring 3276 sq ft. situated at Teh. Kashipur
Distt. Nainital.

A. S. BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Date : 7-2-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Janak Chopra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sudha Sehgal

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

(3) Smt. Janak Chopra.

(Person in occupation of the property)

Lucknow, the 7th February 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 142-S/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

A single storeyed house (Haveli Oadh)

situated at Civil Lines, Faizabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Faizabad on 18-6-1976for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen
per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official
Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and/
or(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A single storeyed house "Haveli Oadh" 2036 sq. ft. situated
at Civil Lines Distt. Faizabad.

A. S. BISEN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 7-2-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri VISWANATH PRASAD.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri SIDDHA NATH.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

(3) Shri VISWANATH PRASAD.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Lucknow, the 8th February 1977

Ref. No. 143-S/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A house with land shop No. 43 & situated at Moh. BANGALI BARA, JATANBAR, Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 26-5-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

A house with land and shop No. 431 47/48 situated at Moh. BANGALI BARA, JATANBAR, VARANASI.

(A. S. BISEN)
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Dated 8-2-77

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 5th February 1977

Ref. No. Acq/284-A/Hathas/76-77/.—Whereas, I, L. N. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hathras on 11-6-76,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
/2—476GI/76

(1) Shri Padam Chand 2. Ram Kumar 3. Sri Kumar sons of Sri Man Sukh Lal Agarwal all r/o Sadanad. Hathras.

(Transferor)

(2) Shrimati Anguri Devi w/o Shyam Sunder 2. Smt. Anar Devi widow Sanoo Lal 3. Smt. Prem Lata w/o Mahadev Pd 4. Smt. Durga Devi w/o Chunni Lal Agarwal all r/o Mandu gate Gaushala road, Hathras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property Godowns on a plot of land measuring 1700 sq. yds. situated at Mendu gate Gauhala Road, Hathras, transferred for an apparent consideration for Rs. 70,000/-.

L. N. GUPTA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur,

Dated : 5-2-1977.

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 29th January 1977

C.R. No. 62/6136/76-77/ACQ/B.—Whereas, I. M. HARIHARAN,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant land bearing No. 38/3, situated at Kanakapura Road, Basavanagudi, Bangalore-4, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore Document No. 227/76-77 on 16-6-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Shick Musleyhuddin, S/o Late Janab Abdul Quddus Saheb, No. 81, 1st Block, East Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferor)

(2) Shri Mansoor Shaik Shamshuddin Calcuttawala, S/o Shaik Shamshuddin Saheb 2. Shabbir Shaik Shamshuddin Calcuttawala, S/o Shaik Shamshuddin, Partners in M/s Transmission Chain Central G. 87, N. R. Road, Bangalore-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 227/76.77 dated 16-6-1976]
All that piece and parcel of the vacant land bearing No. 38/3, Kanakapura Road, Basavanagudi, Bangalore-4.
Boundries : East : Property of Sri Syed Khader Agha Saheb,
West : Foot path and Kanakapura Road
North : Private property and,
South : Mosque Road.
Site Area : East to West=56 ft. } 2352 sq. ft.
North to South=42 ft.

(M. HARIHARAN),
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Dated : 29-1-1977.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 22nd January 1977

C.R. No. 62/6137/76-77/ACQ/B.—Whereas, I, M. HARIHARAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Premises bearing No. 9-A, situated at (II Cross Chikkanna Gardens), Shankarmutt Cross Road, Vth Main Road, Chamrajpet, Bangalore-18 (Division No. 29). (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore Document No. 228/76-77 on 16-6-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Kamala Krishnamurthy, W/o Dr. B. S. Krishnamurthy, No. 250/1, New No. 23, 5th Main Road, Chamrajpet, Bangalore-18.

(Transferor)

(2) Shrimati N. Leela, W/o Sri N. Parthasarathy, Major, No. 9A (IInd Cross, Chikkanna Gardens), Shankarmutt Cross Road, V Main Road, Chamrajpet, Bangalore-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 228/76-77 dated 16-6-1976]
Premises bearing No. 9A, situated (II Cross, Chikkanna Gardens), Shankarmutt Cross Road, Vth Main Road, Chamrajpet, Bangalore-18 (Division No. 29).
Site Area : East to West = 35 ft. } 203 Sq. yds or
North to South = 54 ft. } 169.7 Sq. meters.
Plinth : 10 squares.
Boundries : North : Premises No. 23, belonging to Smt. Kamala Krishnamurthy, South : Shanker Mutt Cross Road, (IInd Cross Chikkanna Gardens)
East : Premises No. 19, belonging to Smt. Kamala Krishnamurthy and West : Premises No. 9, belonging to Smt. Leela Deshmukh.

M. HARIHARAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Dated : 22-1-1977.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, dated 22nd January 1977

C.R. No. 62/6141/76-77/Acq/B.—Whereas, I, M. HARIHARAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Main House No. 71, situated at Ranga Rao Road, Shankarapuram, Bangalore-4, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Basavanagudi, Bangalore, Document No. 241/76-77 on 18-6-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- (1) 1. Shri B. V. Krishnaswamy
2. Shri B. K. Jayaprakash
3. B. K. Sridhar and
4. B. K. Vasant

Children of Shri
B. V. Krishnaswamy

All residing at : No. 39, Old Kanakapura Road,
Basavanagudi Bangalore-560004.

(Transferor)

- (2) Shri H. A. N. Subba Rao, No. E-62, Budhwar Park,
Colaba, Bombay-400 005 or No. 62, Ranga Rao
Road, Shankarapuram, Bangalore-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 241/76-77 Dated 18-6-1976)
Main house No. 71, Ranga Rao Road, Shankarapuram,
Bangalore-4.
Boundries :

South : Sri Gopalaiah's property.
West : Sri G. J. Karve's property.
North : Smt. Malathy Sidenur's property.
East : Shri B. V. Seshagiri's property.

M. HARIHARAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore-560 001.

Dated : 22-1-1977.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KURNOOL-PETA

Kurnool-Peta, the 5th February 1977

Ref. No. RAC No. 222/76-77.—Whereas, J. K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 52/172 Peta situated at Kurnool-Peta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kurnool on 2-6-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri I. Readdy Sadasiva-Reddy, S/o Easwar Reddy, 2. Sri Yella Reddy, S/o Readdy Laxmi Reddy, both residing at Peddapadu Village, Kurnool.
(Transferor)
- (2) Smt. B. Pullamma, W/o B. Jangam-reddy, Advocate, H. No. 6-2-44 at Fort-Kurnool Kurnool.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 52/172 at Kurnoolpeta, Kurnool, registered in the office of the Sub-Registered Kurnool vide Doc. No. 1221/76.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kurnool-peta.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 5-2-1977.
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th February 1977

Ref. No. RAC No. 223/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. 1-8-429/1, situated at Chikkadpally, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.O. Hyderabad 17-6-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. S. Rukmini Bai Ayachit, H. No. 1-8-429/1 at Chikkadpally, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Shri M. Ramachandra Chary, H. No. 1-8-429/1 at Chikkadpally, Hyderabad.
(Transferee)
- (3) 1. Sri V. Amareshwar Shastry 2. Sri Ramachandra Rao, both residing at H. No. 1-8-429/1 at Chikkadpally, Hyderabad.
(Person in occupation of the property)
- (4) Shri Subrahmanyam, C/o M. Ramachandra Chary, H. No. 1-8-429/1 at Chikapally, Hyderabad.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of H. No. 1-8-429/1 at Chikkadpally, Hyderabad, Bounded on the

North : House belonging to Kedari Narasimha,
South : Remaining Half portion of H. No. 1-8-429/1 belong to Smt. Rukimini Bai Ayachit,

East : By Road,
West : House Belonging to Jamna Devi.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 5-2-1977.

Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. Smt. Laxmi Bai, W/o Madanlal, Agarwal, 2. Smt. Leela Bai, W/o Shankerlal Agarwal, both residing at H. No. 15-1-1- at Osmangunj, Hyderabad.
(Transferor)

- (2) Shri B. Krishnamurthy, S/o Venkata Durgaprakash Rayudu, C/o Ravindra Cool Drinks, Station Road, Nizamabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th February 1977

Ref. No. RAC. No. 218/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Mulgi No. 5-7-637/11 situated at Station Road, Nizamabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nizamabad on 29-7-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

Mulgi No. 5-7-637/11 at Station Road, Nizamabad, registered in the Office of the Jt. Sub-Registrar Nizamabad, vide Doc. No. 1539/76.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 7-2-1977.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th February 1977

Ref. No. RAC. No. 219/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Mulgi No. 5-7-637/4 situated at Station Road, Nizamabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jt. Nizamabad on 6-7-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Smt. Laxmi Bai, W/o Madanlal Agarwal, 2. Smt. Leelabai, W/o Shankerlal Agarwal, both residing at H. No. 15-1-1 at Osmangunj, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Shri S. Srinivas S/o Laxmiah, R/o Shivajinagar, Nizamabad.
(Transferee)
- (3) M/s Usha Fancy Stores, Nizamabad, Mulgi No. 5-7-637/4 at Station Road, Nizamabad.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mulgi No. 5-7-637/4 at Station Road, Nizamabad, registered in the Office of the Jt. Sub-Registrar Nizamabad, vide Doc. No. 1540/76.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 7-2-1977,

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th February 1977

1. 1. Smt. Laxmi Bai, w/o Madanlal Agarwal, 2. Smt. Leela Bai, w/o Shankerlal Agarwal, both residing at H. No. 15-1-1 at Osmangunj, Hyderabad.
(Transferor)

2. Smt. V. Sucharita Devi, w/o Narayanreddy, near Picture Palace, Nizamabad.
(Transferee)

3. M/s. Quality Hotel, H. No. 5-7-637/3 Station Road, Nizamabad.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. RAC. No. 220/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Mulgi No. 5-7-637/3 situated at Station Road, Nizamabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jt. S. R. Nizamabad on 6-7-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

13—476GI/76

THE SCHEDULE

R. C. C. Mulgi No. 5-7-637/3 at Station Road, Nizamabad, Registered in the Office of the Jt. Sub-Registrar, Nizamabad, vide Doc. No. 1541/76.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 7-2-1977,

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th February 1977

Ref. No. RAC. No. 221/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Mulgi No. 5-7-637/2, at Station Road, Nizamabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jt. S. R. Nizamabad on 6-7-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. I. Smt. Laxmi Bai, w/o Madanlal Agarwal, 2. Smt. Leelabai, w/o Shankarlal Agarwal, both residing at H. No. 15-1-1 at Osmangunj, Hyderabad.
(Transferor)
2. Smt. Sukanya Devi, w/o M. Narendrareddy, Nizamabad.
(Transferee)
3. M/s. Quality Hotel, & Bar, Nizamabad.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

R. C. C. Mulgi No. 5-7-637/2 at Station Road, Nizamabad, registered in the Office of the Jt. Sub-Registrar, Nizamabad, vide Doc. No. 1542/76.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 7-2-1977
Seal :

FORM ITNS

1. Shri H. Narayana Rao, D. No. 14/87 at Kamalanagar, Ananthapur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Shri Meda Nagabhushanam, s/o Ramayya, D. No. 19-26 at Tilak Road, Ananthapur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th February 1977

Ref. No. RAC. No. 224/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10/358 situated at Adimurthynagar, Ananthapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ananthapur, on 2-6-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2/3rd share in the House Bearing Door No. 10/358 at Adimurthynagar, Ananthapur, Registered in the Office of Jt. S. R. Ananthapur, vide Doc. No. 1999/76.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 8-2-1977

Seal :

FORM ITNS

1. Shri H. Narayana Rao, H. No. 14/87 at Kamalanagar, Ananthapur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Shri Meda Janakamma, w/o M. Nagabhushanam, D. No. 19-26 at Tilak Road, Ananthapur.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th February 1977

Ref. No. RAC. No. 225/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 10/358, situated at Adimurthy Nagar Ananthapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ananthapur on 4-6-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitates the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in House bearing Door No. 10/358 at Adimurthy Nagar, Ananthapur, Registered in the office of the Jt. S. R. Ananthapur, vide Doc. No. 2045/76.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 8-2-1977
Sea :

FORM ITNS

1. Shri B. Venkatram-Reddy, S/o Ranga Reddy, at Gunj, Nizamabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Shri Jethalal, s/o Jairambhai and Karsandas, S/o Jairambhai, at Gunj, Nizamabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th February 1977

Ref. No. RAC. No. 226/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the competent Authority under section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7-11-1079/6 situated at Mirch Compound Nizamabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nizamabad, on June 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires latter;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property bearing No. 7-11-1079/6 situated in Mirchi Compound at Nizamabad registered in the Office of the Jt. S. R. Nizamabad, vide Doc. No. 1390/76.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-2-1977

Seal :

FORM IFNS—

(1) Shri B. Abdul Samad Sahib, No. 110, Samad Sahib Street, Jolarpet.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri D. Mohamed Ishaq, Partner : Sangam Silk House, No. 5, Sheikh Butan Street, Tirupathur, North Arcot district.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 5th February 1977

Ref. No. 1/JUNE/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 58, situated at Railway Station Road, Tirupathur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Tirupathur (Doc. No. 1468/76) on June 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land measuring 8,924 sq. ft. with building thereon at door No. 58 (T.S. No. 357), Railway Station Road, Tirupathur, North Arcot district.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

G. RAMANATHAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Date : 5-2-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

MADRAS-6, the 5th February 1977

Ref. No. 12/JUNE/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 104, situated at Ramasamy Street, Madras-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 2913/76) on 9-6-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) The State Bank of India Staff Union, Madras Circle rep. by Shri V. Ganesan, General Secretary, State Bank of India Buildings, First Line Beach, Madras-1.
(Transferor)

(2) Shri P. M. Subramania Mudaliar & Smt. S. Salammal, W/o Mudaliar No. 24, Coral Merchant Street, Madras-1.
(Transferee)

(3) M/s 1. K. Chakrapani, 2. P. Annamalai.
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 ground and 1045 sft. with building thereon at door No. 104 (R.S. No. 3155), Ramasamy Street, Madras-1.

G. RAMANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 5-2-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madrass-6, the 5th February 1977

Ref. No. 15/JUNE/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 14-B, situated at Kilpauk Garden Road, Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 673/76) on 15-6-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. P. Parthasarathy Mudaliar,
P. Madan Mohan,
No. 29D/10, Gangadeeswarar Koil Street,
Purasawalkam, Madras-7.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Uma Devi, W/o Shri Arjunal Agarwal,
2. Smt. Sita Devi, W/o Shri Sanwarlal Agarwal,
3. Smt. Bina Devi, W/o Shri Girdharlal Agarwal,
4. Smt. Indu Devi, W/o Shri Jaiprakash Agarwal,
No. 4/3, Landons Road, Kilpauk, Madras-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 4½ grounds at door No. 14-B (R.S. No. 85/1), Kilpauk Garden Road, Kilpauk, Madras-10.

G. RAMANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 5-2-1977
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 5th February 1977

Ref. No. 18/JUNE/76-77.-Whereas, I, G.
RAMANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 200/1, situated at Sankaridrug village, Salem district (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sankaridrug (Doc. No. 442/76) on June 1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

14-476GI/76

(1) M/s.

1. Muthu alias Sellappa Goundar,
2. Mani alias Manoharan,
3. Muiugesan alias Vijayakumar,
4. Palaniappa Goundar,
5. Balasubramaniam (minor) by father & guardian Sl. No. 4,

Chinnagoundanoor, Sankaridrug village, Salem district.

(Transferor)

(2) M/s.

1. Porappa Goundar and
2. Muthusamy Goundar,

Chinnagoundanoor, Sankaridrug village, Salem district.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 2 acres and 86 cents in survey No. 200/1 (with undivided half share in well), Sankaridrug village, Salem district.

G. RAMANATHAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 5-2-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 5th February 1977

Ref. No. 20/JUNE/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 129/6, 128/3 and 129/2, situated at Ramapuram village, Salem district, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mallasamudram (Doc. No. 636/76) on 5-6-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Sengoda Goundar,
2. Smt. Nallamonal, W/o, Goundar
3. Maheswari (minor) by father and guardian Shri Sengoda Goundar,
Periyakadu, Ramapuram village, Salem district.

(Transferor)

- (2) Shri Periya Goundar, S/o Sengoda Goundar, Periyakadu (Pullikadu), Ramapuram village and P.O. Tiruchengode taluk, Salem Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 7 acres and 76 cents in Survey Nos. 129/6 (1.56 acres), 128/2 (1.33 acres) and 129/2 (4.87 acres) (with well and coconut trees) at Ramapuram village, Salem district.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 5-2-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269B(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 5th February 1977

Ref. No. 86/JUNE/76-77.—Whereas, I, G.
RAMANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11, situated at Hanumantharayan Koil Street, Park Town, Madras-3, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 2969/76) on 19-6-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Chandraben, W/o Poyushchandra Shanthilal Kothari, Flat No. 15, Danya Mahal, No. 80, Napcan Sea Road, Bombay-400066.
(Transferor)

(2) Shri Amarchand Biyani, No. 11, Hanumantharayan Koil Street, Park, Town, Madras-600003.
(Transferee)

(3) M/s.
1. Raichand Parekh,
2. John,
3. P. Narayan,
4. Samyut,
5. Bharat Electric Co.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 951 sq. ft. with building thereon at door No. 11 (R.S. No. 8932), Hanumantharayan Koil Street, Park Town, Madras-3.

G. RAMANATHAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 5-2-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ratneshwar Singh, through his father Raj Kumar Yagneshwar Singh of Darbhanga.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Patna, the 3rd February 1977

Ref. No. III-246/Acq/76-77/3231.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. portion of Survey plot No. 1062 and 1080 Khata No. 167, situated at Boring Road, Patna, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 17-6-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(2) Shri Mohan Prasad Gupta S/o Sri Baijnath Prasad of Anugrah Narain Road P.S. Kadamkuan, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 3K. 14 dhur 7 dhurki 8 phurki at Boring Road, Patna, portion of Survey plot No. 1062 and 1080, khata No. 167, W. No. 34, as described in deed No. 4361 dated 17-6-76.

A. K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range, Bihar Patna

Date : 3-2-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE BIHAR,
BORING CANAL ROAD, PATNA

Bihar, Patna, the 3rd February 1977

Ref. No. III-247/Acq/76-77.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. portion of Survey Plot No. 1080 Khata No. 167, situated at Boring Road, Patna, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 17-6-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Shri Rashneshwar Singh through his father Raj Kumar Yagneshwar Singh of Darbhanga.

(Transferor)

(2) Shri Madan Prasad Gupta S/o Sri Baijnath Prasad of Anugrah Narain Road, P.S. Kadamkuan, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 and area 3K. 4 dhur 14 dhurki 6 phurki with a portion of double storeyed building thereon at Boring Road, Patna, portion of survey Plot No. 1080, Khata No. 167, W. No. 34 as described in deed No. 4362 dated 17-6-76.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar Patna

Date : 3-2-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Raj Kumar Yagaeshwar Singh S/o Late Raja Bahadur Visheshwar Singh of Darbhanga.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Nagina Devi w/o Sri Baijnath Prasad of Anugrah Narayan Road, P.S. Kadamkuan, Patna.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
ACQUISITION RANGE BIHAR,
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 3rd February 1977

Ref. No. III-248/Acq/76-77/3233.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion of Survey plot No. 1080 khata No. 167, situated at Boring Road, Patna, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 19-6-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 1 K. 17 dhur, 3 dhurki 14 phurki with a portion of double storeyed building thereon at Boring Road, Patna. Portion of survey plot No. 1080, Khata No. 167 W. No. 34 as described in deed No. 4452 dated 19-6-76.

A. K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar Patna

Date : 3-2-1977
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Vijoy Kishori w/o Raj Kumar Yagneshwar Singh of Darbhanga.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Saroj Gupta w/o Sri Chandra Shekhar Pd. Gupta of Anugrah Narain Road, P.S. Kadamkuan, Patna.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR,
BORING CANAL ROAD,

Patna, the 3rd February 1977

Ref. No. III-249/Acq/76-77/3234.—Whereas, I, A. K. Sinha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion of S. P. No. 1080, Khata No. 167 situated at Boring Road, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 19-6-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 1 katha 17 dhur 8 dhurki 3 phurki with a position of double storeyed building at Boring Road, Patna, Portion of survey Plot No. 1080, Khata No. 167, W. No. 34 as described in deed No. 4451 dated 13-6-1976

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.
Lucknow

Date : 3-2-1977
Seal ;

FORM ITNS—

(1) Shrimati Vijay Kishori w/o Raj Kumar Yagneshwar Singh of Darbhanga.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BIHAR,
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 3rd February 1977

Ref. No. III-250/Acq/76-77/3235.—Whereas, J. A. K. Sinha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion of Survey Plot No. 1062, Khata No. 167 situated at Boring Road, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 12-6-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Chandra Shekhar Pd. Gupta s/o Sri Baijnath Prasad of Anugrah Narain Road, P. S. Kadamkuan, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 1 k. 17 dhur 7 dhurki 2 phurki with portion of double storied building thereon at Boring Road, Patna. Portion of survey plot No. 1062, Khata No. 167 W. No. 34 as described in deed No. 4182 dated 12-6-1976.

A. K. SINHA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 3-2-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Rajeshwar Singh through father Raj Kumar
Yagneshwar Singh of Darbhanga.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Ashok Prasad Gupta s/o Sri Baijnath Prasad
of Anugrah Narain Road, P.S. Kadamkuan, Patna.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR,
BORING CANAL ROAD,

Patna, the 3rd February 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of the notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.Ref. No. III-251/Acq/76-77/3236.—Whereas, I. A. K.
Sinha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Ac-
quisition Range, Bihar, Patnabeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearingNo. portion of Survey Plot No. 1080 Khata No. 167 situated
at Boring Road, Patna(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
at Patna on 17-6-1976,for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction of evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).I and area 3k. 7 dhur 10 dhurki 3 phuweki at Boring Road,
Patna, portion of Survey Plot No. 1080, Khata No. 167, W.
No. 34 as described in deed No. 4363 dated 17-6-1976.

THE SCHEDULE

A. K. SINHA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 3-2-1977

Seal :

*Strike off where not applicable.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

15-476G1/76

FORM ITNS—

(1) Shri Raj Kumar Yagneshwar Singh S/o Late Raja Bahadur Visheshwar Singh of Darbhanga.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR,
BORING CANAL ROAD,

Patna, the 3rd February 1977

Ref. No. III-252/Acq/76-77/3237.—Whereas, I, A. K. SINHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion of Survey Plot No. 1062 Khata No. 167 situated at Boring Road, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Patna on 12-6-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Baijnath Prasad s/o Late Devi Lal Sah of Anugrah Narain Road, P.S. Kadamkuan, Patna.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 1k. 17 dhure 3 dhurki 14 phurki with a portion of double storyed building thereon at Boring Road, Patna. Portion of Survey Plot No. 1062, Khata No. 167, W. No. 34 as described in deed No. 4181 dated 12-6-1976

A. K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 3-2-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, BIHAR,
BORING CANAL ROAD,

Patna, the 3rd February 1977

Fef. No. III-253/Acq/76-77/3238.—Whereas, I, A. K. SINHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Khata No. 182 old, 23 New, situated at Nayagaon Sultanganj (Bhagalpur) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhagalpur on 19-6-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Suresh Chandra Singh s/o Sri Dina Nath Singh of Nayagaon, P.O. Kumailtha P.S. Sultanganj, Bhagalpur.

(Transferor)

(2) Shrimati, Bichiva Devi w/o Sri Aainki Choudhury of Nayagaon P.O. Kumailtha, P.S. Sultanganj, Bhagalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 3.05 acres of Nayagaon, P.S. Sultanganj, Bhagalpur, Khata No. 182 old, 23 new, plot Nos. 644 & 645 old, 923, 924 & 925 New, as described in deed No. 6035 dated 15-6-1976.

A. K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 3-2-1977
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Asit Kumar Sen.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rabindra Chandra Sarkar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

IAC ACQUISITION R-V,

Calcutta, the 3rd February 1977

Ref. No. AC-30/Acq-R-V/Cal/76-77.—Whereas, I, S. S. INAMDAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 64/9, situated at Dr. Suresh Chandra Banerjee Road, Calcutta-10, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-6-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 2 Cottahs 11 Chittacks together with partly four storied building thereon situated at 64/9, Dr. Suresh Chandra Banerjee Road, Calcutta-10, more particularly as per deed No. 616, dated 28th June 1976.

S. S. INAMDAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range V,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 3-2-77

Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Kamala Ramchand Advani & others enclosed in a separate sheet.

(Transferor)

Names of Transferor

- (1) Mrs. Kamla Ramchand Advani
- (2) Mr. Kiran Gul Advani
- (3) Mrs. Sarli Sajan Advani
- (4) Mrs. Parpati Ramchand Advani
- (5) Mrs. Kamal Daula Advani
- (6) Miss Puspa Ramchand Advani
- (7) Miss Jethi Jawharmal Advani
- (8) Mrs. Sarswati Ramchand Punwan
- (9) Mrs. Lilan Kishin Punwani
- (10) Mohan Parsram Jhanhtani.

(2) Shri Kishore Chand Mayar (H.U.F.)
M/s. Bhartia Electric Steel Co., Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

I.A.C., ACON., R-I, CAL.

Calcutta, the 5th February 1977

Ref. No. TR-12/C-8/Bombay/76-77.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5/2 (Flat No. 7B), situated at Russel Street, Calcutta-16 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay, on 22-7-1976

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 7B, "Poonam" on the 7th floor being 1258 sq. ft. at 5/2, Russel Street, Calcutta-16,

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 5-2-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 7th February 1977

Ref. No. Acq./File No. 382.—Whereas, I, B. V. SUBBARAO, being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12-9-16 situated at Kotilangalapeta, Rajahmundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on 25-6-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Kantamani Sreeramakrishna, S/o K. V. Narayana Opp. to Nagadevi Theatre, RAJAHMUNDY.
(Transferor)

(2) Shrimati Kesavarapu Lakshminarasamma, W/o Satyanarayana, Sri Satysai Timber Deptt. RAJAHMUNDY.
(Transferee)

*(3) Sri Satyasai Timber Depot, Timber Yard, Rajahmundry.
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule of property as detailed in Document No. 1912/76 registered with the Sub-Registrar, Rajahmundry during the fortnight ended on 30th June 1976.

B. V. SUBBARAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 7-2-1977
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 7th February 1977

Ref. No. Acq./File No. 383.—Whereas, I, B. V. SUBBARAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 31-15-31 situated at Kotilangalapeta, Rajahmundry, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajahmundry on 28-6-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kantamani Ratnakumar,
S/o K. V. Narayana,
Opp. : to Nagadevi Talkies
Rajahmundry.

(Transferor)

(2) Shrimati Karri Varalakshmi,
W/o Appa Reddy,
17-2-11, Veerabhadrapuram,
Rajahmundry.

(Transferee)

(3) 1. M/s. Ramachandra Timber Traders
2. M/s. Rammohan Timber Traders
Timber Yard Road,
Aryapuram, Rajahmundry.
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule of property as detailed in document No. 1995/76 registered with S.R.O. Rajahmundry during the fortnight ended 30th June 1976.

B. V. SUBBARAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 7-2-1977

Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 8th February 1977

Ref. No. Acq./File No. 384.—Whereas, I. B. V. Subbarao, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 13/2, 20/263/2, 63/3 & 2/2 situated at Peddapurappadu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 30th June 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Kumari Merla Jogayamma,
D/o. Jagannadham,
Velangi,
Kakinada Taluk, E.G. Dt.,

(Transferor)

(2) Shri Merla Venkatarao,
S/o Satyanarayanamurthy,
Velangi,
Kakinada Taluk, E.G. Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2455/76 registered before the Sub-Registrar, Kakinada during the fortnight ended on 30th June 1976.

B. V. SUBBARAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 8-2-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 7th February 1977

Ref. No. IAC/Acq.I/SRIII/1113/July(7)/76

—Whereas, I, B. K. SINHA
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

Khasra No. 71/2, 72/1, 73, 74, 75/2, 76/2, 93, 119 and
970 situated at Village Sat Bari, Tehsil Mehrauli
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
officer at New Delhi on 9-6-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

16—476GI/76

(1) 1. Shri Hari Chand Sachdeva
s/o Late Shri Khushi Ram Sachdeva
r/o 34, Dr. Mukherjee Nagar, Kingsway Camp,
Delhi-9, as general attorney of
Shri Ishwar Chand
son of Shri Piare Lal
Village Khirki, Delhi State, Delhi.

2. Smt. Phool Devi
wd/o Shri Piare Lal
r/o Village Khirki, Delhi State, Delhi and

3. Smt. Kailash Devi d/o Shri Piare Lal
w/o Shri Hukam Singh
r/o Masjid Moth, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Run Well (India) Pvt. Ltd.
B-54, Connaught Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publications of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter XXA
of the said Act, shall have the same mean-
ing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 18 Bighas 19 Biswas vide Khasra No. 71/2
(2-11), 72/1(2-8), 73(4-6) 74(0-9), 75/2(3-16), 76/2
(0-18), 93(2-6), 119(0-9) and 970(0-6) situated in the area
of village Sat Bari, Tehsil Mehrauli, Delhi State, New
Delhi.

B. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, I, Delhi/New Delhi.

Date : 7-2-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Thirupurasundar ammal; and
Shri Thaikachala Mudaliar
C/o M/s. Krishnaswami & Co.
17 Vepery High Road,
Madras-3.

(Transferor)

(2) Shri Kumarasami Chettiar,
S/o Shri Nataraja Chettiar,
Varakalpatti village.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 16th February 1977

Ref. No. 3617/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2.76 acres in Perumalnaichenpalayam and 0.49 acre in Chitharachur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nellikuppam (Doc. No. 601/76) on May 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Perumalnaicken Palayam :

S. No.	Acre - Cent.
473/1	0 - 32
473/2	0 - 18
473/3	0 - 53
473/4	0 - 12
473/5	0 - 18
473/6	0 - 13
474/2	0 - 42
474/3	0 - 64
475/7	0 - 24
	<hr/> 2 - 76 <hr/>

Chitharachur :

6/- 0 - 49

Total

3 - 25

S. RAJARATNAM

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II,

Madras-6.

Date : 16-2-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Rhipurasundari Ammal and
Shri Thanikachala Mudaliar
C/o M/s. Krishnaswami & Co.
17 Vepery High Road,
Madras-3.

(Transferor)

(2) Sri Subramania Chettiar,
S/o Shri Nataraja Chettiar,
Varakalpatti village.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 16th February 1977

Ref. No. 3617/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3, 27½ acres in Perumal Naichenpalayam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nellikuppam (Doc. No. 602/76) on May 1976 consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Perumalnaicken palayam :

S. No.	Extent
	Acre - Cent.
441/-	0 - 33½
442/1	1 - 00
444/1A	0 - 04
444/1B	0 - 22
445/1	0 - 24
445/2A	0 - 40
445/2B	0 - 54
446/1	0 - 50
	<hr/> 3 - 27½

S. RAJARATNAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 16-2-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

MADRAS-6, the 16th February 1977

Ref. No. 3617/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 3.10 acres in Perumalnaicken palayam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nellikuppam (Doc. No. 603/76) on May 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Krishnaswami Mudaliar;
Smt. Thiripurasundari Ammal; and
Shri Thanikachala Mudaliar
C/o M/s. Krishnaswami & Co.
17 Vepery High Road,
Madras-3.

(Transferor)

(2) Shri Nataraja Chettiar
Varakalpattu village.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Perumalnaickenpalayam :

S. No.	Extent
	Acre - Cent.
468/1	0 - 77
468/2	0 - 68
469/-	1 - 65
	<hr/> 3 - 10

S. RAJARATNAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-6.

Date : 16-2-1977

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Krishnaswami Mudaliar;
Smt. Thiripurasundari Ammal;
Shri Thanikachala Mudaliar
C/o M/s. Krishnaswami & Co.
17 Vepery High Road,
Madras-3.

(Transferor)

- (2) Shri Arumugam (Minor)
S/o Shri Nataraja Chettiar,
(Represented by Shri Nataraja Chettiar),
Varakalpatti village.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II.
MADRAS-6

Madras-6, the 16th February 1977

Ref. No. 3617/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3.17 acre in Permalnaickenpalayam

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nellikuppam (Doc. No. 604/76) on May 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Perumalnaicken palayam :

S. No.	Extent Acre - Cent.
446/5	0 - 34
448/3	0 - 19
448/4	0 - 16
463/4	0 - 24
Total	3 - 17

S. RAJARATNAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 16-2-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 16th February 1977

Ref. No. F. 2989/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 45.38 acres in Nelliyalam (R.S. No. 683/3 CIA, 610/3 and 611/1)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gundalur (Doc. No. 454/76) on 31-5-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri N. M. Lakhshmanan;
2. Shri N. D. Ramamurthy;
3. Smt. N. D. Neelamma;
4. Smt. G. Jayamma;
5. Shri N. D. Umashankar; and
6. Shri L. Devaraj
V.P. Street, Coonoor-2.

(Transferor)

- (2) Shri M. Senthilkannan;
(S/o Shri Meyyappan).
(Represented by Shri A. Meyyappan).

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Nelliyalam :

R.S. Nos.	Extent Acre - Cent.
683/3 CIA	45 - 05
610/3	0 - 14
611/1	0 - 19
	<hr/> 45 - 38 <hr/>

S. RAJARATNAM

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II,

Madras-6.

Date : 16-2-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 16th February 1977

Ref. No. 2990/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

53.85 Acres in Nelliyalam (S. No. 683/ CIA, 683/3A, 683/2, 612/1, 613/1, 613/3, 614/1, 615/1, 615/3, 616/1, 616/3 and 683/3B

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Gudalur (Doc. 455/76) on 31-5-1976

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-Section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri N. M. Lakhshmanan;
2. Shri N. D. Ramamurthy;
3. Smt. N. D. Neelamma;
4. Smt. G. Jayamma;
5. Shri N. D. Umashankar; and
6. Shri L. Devaraj
V.P. Street, Coonoor-2.

(Transferor)

- (2) Shri M. Saravanan (Minor),
Represented by his father and
natural guardian Shri A. Meyyappan,
V. Lakshmiapuram Post,
Pudukottai Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Nelliyalam :

R.S. No.	Extent Acre - Cent
683/3 CIA	35 - 00
683/3A	2 - 95
683/2	0 - 22
612/1	0 - 26
613/1	0 - 21
613/3	0 - 05
619/1	0 - 23
615/1	0 - 28
615/3	0 - 09
616/1	0 - 04
616/3	0 - 23
683/3-B	14 - 29
	<hr/> 53 - 85

S. RAJARATNAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-6.

Date : 16-2-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 16th February 1977

Ref. No. F. 2991/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 70.75 Acres in Nelliyalam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gudaluar (Doc. No. 456/76) on 31-5-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri N. M. Lakhshmanan;
2. Shri N. D. Ramamurthy;
3. Smt. N. D. Nelamma;
4. Smt. G. Jayamma;
5. Shri N. D. Umashankar; and
6. Shri L. Devaraj
V.P. Street, Coonoor-2.

(Transferor)

- (2) Shri A. Meyyappan,
S/o Shri Adaikalavan Chettiar,
V. Lakshmipuram Post,
Pudukottai Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

70.75 acres in Nelliyalam (R.S. Nos. 40/1C2A; 40/1C2A; 691/3ACIC; 691/1, 601/1, 602/1, 603/1, 604/1, 605/1, 606/-; 607/1; 608/1; 609/1; 610/1; 691/7A3B and 683/4.

S. RAJARATNAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-6.

Date : 16-2-1977
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE II, 4/14A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI-110001.

New Delhi, the 27th January 1977

Ref. No. IAC/Acq.II/1233/76-77.—Whereas, I, M. S. GOELA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3507 situated at Aryapura, Subzi Mandi, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in September, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) Shri Zaharia Mal Trust, through Shri Ram Saran Das Singal s/o Shri R. K. D. Singhal, conveyer, r/o Main Bazar, S/Mandi, Delhi. 2. Lala Jagan Nath s/o Ram Roop r/o Bengali Mal Market, Delhi, Chairman.

(Transferors)

(2) Rajinder Kumar Kaushik (Raj Kaushik) s/o Dr. S. P. Kaushik, r/o 3508, Aryapura, Subzi Mandi, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land measuring 250 sq. yds. with boundary wall bearing Municipal No. 3507 situated at Aryapura, Subzi Mandi, Delhi and bounded as under:—
East: Property Dr. S. P. Kaushik.
West: Property Dr. S. P. Kaushik.
South: Property Shri Brij Mohan.
North: By Gali Peepalwali.

M. S. GOELA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Delhi/New Delhi.

Date 27th Jan. 1977.
Seal;

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION
NOTICE
ENGINEERING SERVICES EXAMINATION, 1977

New Delhi, the 26th February 1977

No. F. 2/11/76-EI(B).—A combined competitive examination for recruitment to the Services/posts mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission at AHMEDABAD, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, JAIPUR, MADRAS, NAGPUR, PATIALA, PATNA, SHILONG, SRINAGAR AND TRIVANDRUM commencing on 2nd August, 1977 in accordance with the Rules published by the Ministry of Railways (Railway Board) in the Gazette of India dated 26th February, 1977.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure para 11).

2. The Services/posts to which recruitment is to be made on the results of this examination and the approximate number of vacancies in the various Services/posts are given below :—

GROUP-A

- | | |
|--|--|
| (i) The Indian Railway Service of Engineers | 16** |
| (ii) The Indian Railway Service of Electrical Engineers | 10** |
| (iii) The Indian Railway Service of Signal Engineers | 6** |
| (iv) The Indian Railway Services of Mechanical Engineers | 10** |
| (v) The Indian Railway Store Service :— | |
| (a) Civil Engineering Posts | } 8** |
| (b) Mechanical Engineering Posts | |
| (c) Electrical Engineering Posts | |
| (d) Tele-communication/Electronics Engineering Posts | |
| (vi) The Central Engineering Service | 20 (Includes 3 vacancies reserved for Scheduled Castes and 1 vacancy for Scheduled Tribe candidates). |
| (vii) The Central Electrical Engineering Service | 8 (Includes 2 vacancies reserved for Scheduled Castes candidates). |
| (viii) The Indian Supply Service. | |
| (a) Mechanical Engineering Posts | 1 (Vacancy Reserved for Sch. Castes Candidates). |
| (b) Electrical Engineering Posts | 1 |
| (ix) The Military Engineering Services (Buildings and Roads Cadre) | 80 (Includes 22 vacancies reserved for Scheduled Castes and 13 vacancies for Scheduled Tribes candidates). |
| (x) The Military Engineering Services. (Electrical & Mechanical Cadre):— | |
| (a) Mechanical Engineering Posts | 25 (Includes 6 vacancies reserved for Scheduled Castes and 4 vacancies for Scheduled Tribes candidates). |

- | | |
|---|--|
| (b) Electrical Engineering Posts | 25 (Includes 5 vacancies reserved for Scheduled Castes and 4 vacancies for Scheduled Tribes candidates). |
| (xi) The Indian Ordnance Factories Service. (Engineering Branch):— | |
| (a) Civil Engineering Posts | 5 (Includes 1 vacancy each reserved for Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates). |
| (b) Mechanical Engineering Posts | 20 (Includes 4 vacancies reserved for Scheduled Castes and 2 vacancies for Sch. Tribes candidates) |
| (c) Electrical Engineering Posts | 7 (Includes 2 vacancies reserved for Scheduled Caste and 1 vacancy for Sch. Tribe candidates). |
| (d) Electrical Engineering Posts | 5 (Includes 1 vacancy reserved for Scheduled Castes and 1 vacancy for Sch. Tribes candidates). |
| (xii) The Telegraph Engineering Service. | 60** |
| (xiii) The Central Water Engineering Service:— | |
| (a) Civil Engineering Posts | 12 (Includes 2 vacancies reserved for Scheduled Castes and 1 vacancy for Sch. Tribes candidates). |
| (b) Mechanical Engineering Posts | * |
| (xiv) The Central Power Engineering Service :— | |
| (a) Electrical Engineering Posts | 25 (Includes 7 vacancies reserved for Scheduled Castes and 4 vacancies for Sch. Tribes candidates). |
| (b) Mechanical Engineering Posts | 10 (Includes 2 vacancies reserved for Scheduled Castes and 2 vacancies for Sch. Tribes candidates). |
| (c) Telecommunication Engineering Posts | 5 (Includes 1 vacancy each reserved for Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates). |
| (xv) The Central Engineering Service (Roads) | 2 (Includes 1 vacancy reserved for Scheduled Castes candidates). |
| (xvi) Posts of Deputy Armament Supply Officer, Grade II | |
| (a) Mechanical | 2 |
| (b) Electronics | 1 |
| (c) Electrical | 2 (Includes 1 vacancy reserved for Sch. Castes candidates). |
| vii) Post of Assistant Drilling Engineer, in the Geological Survey of India. | * |
| (xviii) Post of Mechanical Engineer (Junior) in the Geological Survey of India. | * |

- (xix) Posts of Assistant Executive Engineer in the P & T Civil Engineering Wing :—
 (a) Civil . . . *
 (b) Electrical . . . *
- (xx) Post of Assistant Manager (Factories) in the P & T Telecom. Factories Organisation. 2
- (xxi) Post of Engineer, in the Wireless Planning and Co-ordination Wing/Monitoring Organisation. Ministry of Communications.
- (xxii) Post of Deputy Engineer-in-Charge, in the Overseas Communications Service, Ministry of Communications. 2
- (xxiii) Post of Assistant Station Engineer, in the All India Radio, Ministry of Information and Broadcasting. 41**
- (xxiv) Post of Technical Officer in the Civil Aviation Department, Ministry of Tourism and Civil Aviation. 12 (Includes 4 vacancies reserved for Sch. Castes and 2 vacancies for Sch. Tribes candidates).
- (xxv) Post of Communication Officer, in the Civil Aviation Department, Ministry of Tourism and Civil Aviation. 4 (Includes 1 vacancy each reserved for Sch. Castes and Sch. Tribes candidates).
- (xxvi) Post of Assistant Executive Engineer, Border Roads Engineering Service :—
 (a) Civil . . . 18 (Includes 6 vacancies reserved for Sch. Castes and 3 vacancies for Sch. Tribes candidates).
 (b) Mechanical . . . 7 (Includes 2 vacancies reserved for Sch. Castes and 1 vacancy for Sch. Tribes candidates).

GROUP B

- (xxvii) The Telegraph Traffic Service . . . *
- (xxviii) Post of Assistant Mechanical Engineer, in the Geological Survey of India. *
- (xxix) Post of Assistant Engineer, in the P & T Civil Engineering Wing :—
 (a) Civil . . . *
 (b) Electrical . . . *
- (xxx) Post of Assistant Engineer, in the Civil Construction

Wing of All India Radio :—

- (a) Civil . . . *
- (b) Electrical . . . *

(xxxi) Post of Assistant Engineer, in the All India Radio, Ministry of Information & Broadcasting . . . 40**

(xxxii) Post of Assistant Engineer in the Overseas Communications Service, Ministry of Communications. 7 (Includes 2 vacancies reserved for Sch. castes and 1 vacancy for Scheduled Tribes candidates.)

(xxxiii) Post of Technical Assistant (Non-Gazetted) in the Overseas Communication Service, Ministry of Communications. 5 (Includes 1 vacancy reserved for Scheduled Castes and 1 vacancy for Scheduled Tribes Candidates).

The vacancies shown against the Services/posts at items (i), (ii), (iii), (iv), (v) and (xi) are permanent.

The vacancies shown against the Services/posts at items (vi), (vii), (viii), (ix), (x), (xi), (xii), (xiii), (xiv), (xv), (xvi), (xx), (xxi), (xxii), (xxiii), (xxiv), (xxv), (xxvi), (xxxi), (xxxii), and (xxxiii) are temporary.

The above numbers are liable to alteration.

*Vacancies not intimated by Government.

**The number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes candidates, if any, will be determined by Government.

NOTE :—Recruitment to the Services/posts, mentioned above will be made on the basis of the scheme(s) of examination prescribed in para 2 of Appendix I to the Rules.

3. A candidate may apply for admission to the examination in respect of all or any of the Services/posts mentioned in para 2 above. If a candidate wishes to be admitted for more than one Service/post he need send in only one application. He will be required to pay the fee, mentioned in para 6 of Notice once only and will not be required to pay separate fee for each Service/post for which he applies.

N.B. I.—Candidates are required to specify clearly in their applications the Services/posts for which they wish to be considered in the order of preference. They are advised to indicate as many preferences as they wish to, so that having regard to their ranks in the order of merit, due consideration can be given to their preferences when making appointments.

Services/posts with both permanent and temporary vacancies (cf. para 2 of the Notice) should be indicated separately and specifically for permanent and temporary vacancies.

Thus, if desired, the same Service/post may be mentioned more than once.

No request for alteration in the preferences indicated by a candidate in respect of Services/posts, covered by the group or groups of services/posts viz. Civil Engineering, Mechanical Engineering, Electrical Engineering and Electronics and Telecommunication Engineering (cf. preamble to the Rules), for which he is competing would be considered unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission on or before the 31st October, 1977.

N.B. 2.—Candidates should give their preferences only for the Services and posts for which they are eligible in terms of the Rules and for which they are competing. Preferences given for Services and posts for which they are not eligible and for Services and posts in respect of which they are not admitted to the examination will be ignored. Thus candidate, admitted to the examination under rule 5(b) or 5(c) or 5(d) will be eligible to compete only for the Services/posts mentioned therein and their preferences for other Services and

posts will be ignored. Similarly, preferences of candidates admitted to the examination under the proviso to rule 6 will be considered only for the posts mentioned in the said proviso, and preferences for other Services and posts, if any, will be ignored.

4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011), on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011), by Money Order, or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. *This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.*

Note 1. REQUEST FOR SUPPLY OF APPLICATION FORM AND FULL PARTICULARS OF THE EXAMINATION BY POST MUST REACH THE OFFICE OF THE COMMISSION BEFORE 4TH APRIL, 1977. HOWEVER, THE FORMS MAY BE HAD PERSONALLY FROM THE COUNTER IN THE OFFICE OF THE COMMISSION UPTO 11TH APRIL, 1977.

Note 2.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE ENGINEERING SERVICES EXAMINATION, 1977. APPLICATION ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE ENGINEERING SERVICES EXAMINATION, 1977 WILL NOT BE ENTERTAINED.

5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on or before the 11th April, 1977 (25th April, 1977 in the case of candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 11th April 1977) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 11th April, 1977.

6. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form, a fee of Rs. 80.00 (Rs. 20.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Parliament Street, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to account head "051—Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 7 BELOW.

7. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March 1971, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a *bona fide*

repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.

8. A refund of Rs. 54.00 (Rs. 14.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application of a candidate seeking admission to the examination in terms of Note 1 below rule 6 is rejected on receipt of information that he has failed in the qualifying examination or will otherwise be unable to comply with the requirements of the provisions of the aforesaid Note he will not be entitled to a refund of fee.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

9. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

R. S. GOELA,
Deputy Secretary.

ANNEXURE

INSTRUCTION TO CANDIDATES

1. Before filling in the application form, the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE. THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

2. The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. An application which is incomplete or is wrongly filled in, is liable to be rejected.

All candidates, whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government service, whether in a permanent or temporary capacity or as work-charged employees other than casual or daily rated employees are, however, required to obtain the permission of Head of their Office/Department before they are finally admitted to the examination. They should send their applications direct to the Commission after detaching the 2 copies of the form of certificate attached at the end of the application form and submit the said forms of certificate immediately to their Head of Office/Department with the request that one copy of the form of certificate duly completed may be forwarded to the Secretary, Union Public Service Commission, New Delhi as early as possible and in any case not later than the date specified in the form of certificate.

3. A candidate must send the following documents with his application :—

- (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee. (See para 6 of Notice).
- (ii) Attested/certified copy of Certificate of age.

- (iii) Attested/certified copy of Certificate of Educational qualification.
- (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx.) photograph of the candidate.
- (v) Attested/certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable (See para 4 below).
- (vi) Attested/certified copy of certificate in support of claim for age concession/fee remission, where applicable (See paras 5 and 6 below).

NOTE.—CANDIDATES ARE REQUESTED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED AT ITEMS (ii), (iii), (v) and (vi) ABOVE ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF DECEMBER 1977. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE RESULTS OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE. THEY SHOULD KEEP THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES IN READINESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF INTERVIEW. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES, WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (v) and (vi) are given in paras 4, 5 and 6:—

- (i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee—

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows—

“Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office”.

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

- (b) CROSSED Bank Draft for the prescribed fee—

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India Parliament Street, New Delhi and should be duly Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

(ii) *Certificate of Age*.—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate, or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above,

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down, in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

NOTE 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries relating to age.

NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) *Certificate of Educational Qualification*.—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 6. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not blind themselves to accept it as sufficient.

In case a candidate is not in possession of the degree prescribed in Rule 6 at the time of submitting his application to the Commission, he should submit a copy of a certificate from the Principal/Registrar/Dean of the College/University concerned certifying that he has passed the qualifying examination and complied with all requirements necessary for the award of the degree in the form prescribed in para 1 of the form of certificate given under Note 1 below.

NOTE 1.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him educationally qualified for this examination, but has not been informed of the result, may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, in the form prescribed below, as soon as possible and in any case not later than 31st October, 1977.

Certificate showing proof of passing qualifying Examination.

1. Certified that Shri/Smt./Km. _____ son/daughter* of _____ who has been a student in this college has passed the _____ examination and has become eligible for the award of _____ degree and that he/she* has been placed in _____ division.

2. Certified that Shri/Smt./Km. _____ son/daughter* of _____ is expected to appear/has appeared* at _____ examination conducted by _____ in the month of _____ 19 _____ and that the result of the above examination is likely to be announced by _____ 19 _____.

Signature _____
Designation _____
Name of Institution _____
Where situated _____

Date _____

*Strick out whichever is not applicable.

NOTE 2.—A candidate seeking admission to the examination with the qualification mentioned in proviso to Rule 6 must submit an attested/certified copy of a certificate from the Principal/Dean of the College/Institution/University concerned showing that he has passed/taken the M.Sc. degree examination or its equivalent with one of the special subjects mentioned therein.

(iv) *Photograph*.—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. × 7 cm. approximately) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy should be firmly attached with the application form. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii), and 3(iv) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the Commission's office [except as provided for in Note 1 under paragraph 3(iii) above] within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise the application is liable to be rejected.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below, from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other Officer as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate, if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment of posts under the Government of India.

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari* of son/daughter* of _____ of village/town* _____ in District/Division* _____ of the State/Union Territory* _____ belongs to the _____ Caste/Tribe* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe* under :—
the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, and the North Eastern Area (Reorganisation) Act, 1971]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*

2. Shri/Shrimati/Kumari* and/or* his/her* family ordinarily reside(s) in village/town* of District/Division* of the State/Union Territory* of

Signature.....

* Designation.....

(with seal of office)

Place State/Union Territory*.

Date

*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

*Officers competent to issue Caste/Tribe candidate.

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-divisional Officers of the area where the candidate and/or his family normally resides;

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, 'Lakshadweep'.

5. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concession under Rule 5(c) (ii) or 5(e)(iii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice, should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971 :—

(1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakarnyu Project or of Relief Camps in various States.

(2) District Magistrate of the Areas in which he may, for the time being be resident;

(3) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;

(4) Sub-Divisional Officer with the Sub-Division in his charge.

(5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/ Director (Rehabilitation), in Calcutta.

(ii) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 5(e)(iv) or 5(e)(v) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice, should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November 1964, or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964.

(iii) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 5(e)(vi) or 5(e)(vii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice, should produce an attested/certified copy of the identity certificate

issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

(iv) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under Rule 5(e)(viii) or 5(e)(ix) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Resettlement, Ministry of Defence to show that he was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. Shri
..... of unit was disabled
while in the Defence Services, in operation during hostilities
with a foreign country/in a disturbed area* and was released
as a result of such disability.

Signature.....
Designation.....

Date.....

*Strike out whichever is not applicable.

(v) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under rule 5(e)(x) or 5(e)(xi) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Border Security Forces, Ministry of Home Affairs, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations, during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No.
Shri of Unit was
disabled while in the Border Security Force in operations
during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a
result of such disability.

Signature.....
Designation.....

Date.....

6. A candidate belonging to any of the categories referred to in para 5(i), (ii) and (iii) above and seeking remission of the fee under paragraph 7 of the Notice should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

7. A person in whose case a certificate of eligibility is required should apply to the Government of India, Ministry of Railways/Works and Housing/Defence/Energy/Agriculture and Irrigation/Communications/Industry and Civil Supplies/Supply and Rehabilitation/Steel and Mines/Shipping and Transport/Information and Broadcasting/Tourism and Civil Aviation for issue of the required certificate of eligibility in his favour.

8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they

submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

9. The fact that an application form has been supplied on a certain date, will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not ipso facto make the receiver eligible for admission to the examination.

10. If a candidate does not receive an acknowledgment of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgment.

11. Every candidate for this examination will be informed, at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

12. Copies of pamphlets containing rules and question papers of the five preceding examinations are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110006 and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, Opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001 and (ii) Sale counters of the Publications Branch at Udyog Bhawan, New Delhi-110001 and office of the Union Public Service Commission, Dhoolpur House, New Delhi-110011, and (iii) the Government of India Book Depot, 8 K. S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India publications at various mofussil towns.

13. Communications regarding applications.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS.

(i) NAME OF EXAMINATION.

(ii) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.

(iii) ROLL NO. OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATES IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.

(iv) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).

(v) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

14. Change in address.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 13 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES, THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

